



संख्या 39
दिनांक 26 सितम्बर 1992

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 39] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 26, 1992 (आश्विन 4, 1914)

No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 26, 1992 (ASVINA 4, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह असम संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांवित्रित विकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान			
वम्बई-400/005, दिनांक 15 जुलाई 1992			
क्रम	मद्यपत्रा	नाम एवं पता	दिनांक
क्रम	मद्यपत्रा	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	2021	श्री पंतरसी लोमनजी दाम्बाला, ए० सी० ए०, 62, बद्रिनाथर अंगूष्म, नागराण डाबोलकर रोड वम्बई-400 006	1-4-91

1	2	3	4
2	2489	श्री अरस शिंशिर गोविंद, ए० सी० ए०, ई-6, मुच्युअल कालोनी, मोगल लेन, माहिम, वम्बई-400 016	1-7-92
3	3261	श्री पटेल वाबुमाई चुनीभाई, ए० सी० ए०, पोस्ट बाबप, 45391, तेंगोदी, केन्या।	4-5-92
4.	9185	श्री मुनोद निहालचन्द जे०, ए० सी० ए०, कल्याण चैम्पर्स, 1 ला मंजला, 98, नागीनदास मास्टर रोड, फोर्ट, वम्बई-400 023	16-5-92

1	2	3	4	1	2	3	4
5.	16928	श्री भनशाली मिलाप गांज, एफ० सी० ए०, चीफ एक्जीक्यूटिव कैमिकल्स कॉ०, साइनाइट्स एंड कैमिकल्स कॉ०, 65, फिलेस हाउस, नैरीमन पाईट, बम्बई-400 007	13-6-92	13.	42875	श्री शाह मुजल प्रदीप चन्द्र, ए० सी० ए०, 37, वसंत कुंज सोसायटी, न्यू शारदा मंदिर रोड, पालडी, अहमदाबाद-380 007	16-6-92
6.	35401	श्री मेहता अमित आवानी, उफै रत्नलाल, एफ०सी० ए०, 1 ला मंजला, 4 सेठना हाउस, 13 लेवरनम रोड, गामदेवी, बम्बई-400 007	3-7-92	14.	43532	मिस ममकरहेस अमलाइस 28-4-92 जिसेला, ए० सी० ए०, 13-ए, रोमरी हाउस, गनपात्रडर रोड, मध्यगांव, बम्बई-400 020	28-4-92
7.	39307	श्री अछूतन काविल, पोडुवट्टील राजन, ए० सी० ए०, 72/5, बालमुरली को-आप० हाउसिंग सोसायटी, छेदा नगर, चेम्बर, बम्बई-400 089	9-5-92	15.	45030	मिस हातंगडी प्रिनी गजानन, 27-6-92 ए० सी० ए०, 14 214, जिगर निवास, मायन हास्पीटल, मायन (पूर्व), बम्बई-400 022	27-6-92
8.	40076	श्री शाह पारेश मिठालाल, ए० सी० ए०, 1, मंगलदीप चंदननगर रोड, विरार-थाना-401 303	12-5-92	16.	45453	श्री कोलहाटकर अदावैत अलयूत, 2-6-92 ए० सी० ए०, मार्फत: पी० डी० दलाल एंड कॉ० पी० आ० ब्राह्म 52, धुले-424 001	2-6-92
9.	40422	श्री देसाई मेहुल वाण, ए० सी० ए० गांधी निवास, बजाज रोड, विनोपार्ले (प०), बम्बई-56	18-5-92	17.	45631	श्री मदायिल राजेश रामचंद्रन, 18-5-92 ए० सी० ए०, 207, सुन्वरम, सायन सर्केल, बम्बई-400 022	18-5-92
10.	40639	श्री गाठानी जितेन शांतीलाल, ए० सी० ए०, 6 सागर, 353/बी/ 19, बी० बी० लेन, घाटकोपर, बम्बई-400 077	10-6-92	18.	45694	श्री अवेरी मनिष मफतलाल, 29-6-92 ए० सी० ए०, ब्लॉक-1, बालगणपती सोसायटी, दहुलजी रोड, छावरी, थाना-1	29-6-92
11.	40643	श्री आयर वेंकटगमन कुलगामर्ती, 29-5-92 ए० सी० ए०, शी०/75, श्रीराम प्रगाद भावदात्री रोड, मार्टंगा सी० आर०, बम्बई-400 019		19.	71181	श्री गुप्ता राजीव, एफ०सी०ए०, 25-5-92 धार्मिक भवन, फ़ब्बाग चौक, गांधीबाग, नागोर-440 002	25-5-92
12.	40696	मिस सावित गिरा बन्धुग्रन्थ, ए० सी० ए०, प०-4/4, वरनी भी माई शो-आप० हाउसिंग सोसायटी, खान अड्डुल गपकार चान रोड, बम्बई-400 018	8-6-92	20.	200764	श्री एस० भृपत, ए०सी०ए०, 5-2-92 बी०-34, विनसेट नगर, बी० पी० टी०, छवार्ट्स, बी० ए० नाथपाई मार्ग, काला चौकी, बम्बई-400 033	5-2-92

सं०-३ उल्लेख सी ए(५) 4/९२-९३ :—इस संस्थान की अधिसूचना नं० ३ उल्लेख सीए(४) 11/८६-८७ विनांक ३१-३-८७ ३ उल्लेख सीए(४) 12/८८-८९ दिनांक २३-३-८९, ३ उल्लेख सीए(४) १५/८९-९० दिनांक २०-११-८९, ३ उल्लेख सीए(४) १८/८९-९० दि० २०-१२-८९, ३ एससीए(४) ८/९०-९१ दि० १-१२-९०, ३ उल्लेख सीए(४) ८/९०-९१ दि० २-१-९१ ३ उल्लेख सीए(४) ११/९१-९२ दि० २७-१२-९१ ३ उल्लेख सीए(४) १२/९१-९२ दि० २०-१-९२, ३ उल्लेख सीए(४) १६/९१-९२ दि० २०-२-९२ के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम १९८८ के विनियम २० के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि, उक्त विनियमों के विनियम १९ द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे वी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है :—

क्रम सं०	संख्या	संस्थान का नाम एवं पता	विनांक
1	2	3	4

१. ११६३२ श्री सेन अमितावा १९-५-९२ ए० सी० ए०, प्लॉट १० कैलाश कुटीर को-ओप० हाऊसिंग सोसायटी, प्लॉट १९९ बड़ाला, बम्बई-४०० ०३१
२. २४१८० श्री वर्गिस जॉर्ज, एसीए १६-६-९२ ७ लिपो अड्डे, सिंगापुर-२६७८
३. २६६९९ श्री छ्ही० मुरलीधरन, १६-६-९२ ए० सी० ए०, १४५ए, ४था मंजला, शिवशंकर हाजी मलंग रोड, कल्याण-४२१ ३०१
४. ३००९३ श्री हल्ले मुनिल विनायक, २-६-९२ ए० सी० ए०, सीराष्ट्र सिमेंट एंड केमिकल्स, इंडस्ट्रीयल लिमिटेड, २०था मंजला, नरीमन प्लाईट बम्बई-४०० ०२१
५. ३१६१५ श्री गनेश दिलीपकुमार माधवजी, ३-७-९२ एफ सी० ए० ५८, इस्लामपुर स्ट्रीट, नानूभाई देसाई रोड, बम्बई-४०० ००४

१	२	३	४
६.	३१९९१	श्री वेंकोबाराब श्रीनिवासगव, १३-५-९२ ए० सी० ए०, ए/२/३२ अम्बिन अपार्टमेंट्स, महात्मा फुले रोड, मलूड (इस्ट) बम्बई-४०० ०८१	
७.	३२२५३	श्री कल्याणी अग्निवन शांतीलाल, ५-६-९२ ए० सी० ए०, डो०/३ किरणनगर स्टाफ क्वार्टर्स, शहापुर गेट के सामने, अहमदाबाद-३८० ००४	
८.	३२४०६	श्री इराणी जहांगीर कावस, २६-६-९२ ए० सी० ए०, ३०८८, दि लेजबे मिसिसौगा ऑनटारीओ एलएसएल ४५४ कनाडा	
९.	३२८७३	श्री अग्निवन दिलीप वर्णनीमल, ९-६-९२ ए० सी० ए०, नं० १४, इल्सी केमी पिअर्स स्ट्रीट, विकटोरिया आयलैंड, लागोस	
१०.	३४८१५	श्री सोनावालाजे एफ अँका, ८-६-९२ पेल मार्केटिंग बाक्स-५१०३८ मिन अल फाहूल सल्भन ऑफ ओमन	
११.	३५७३१	श्री खारबंडा विवेक ओमप्रकाश, १३-५-९२ ए० सी० ए०, ५०१ ओल्यूमपस, अल्लामाउट रोड, बम्बई-४०० ०२६	
१२.	३६४०६	श्री एन० एन० पटेल, २७-५-९१ ए० सी० ए०, नेवी बंगलो नं० ५७, गाना पार्क सोसायटी, डिल्ही नं० २ घाटलोदिया, अहमदाबाद-३८००६१	
१३.	३८५९८	श्री पवारी के० छ्ही०, २७-५-९१ ए० सी० ए०, ४०१ विशाल १ को-ओप० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, ५४० मंजला सोनी वाडी के सामने, गर वारे सुपर मार्केट के पाछे, एस० छ्ही० रोड से दूर, बोरीवली (वेस्ट) बम्बई-४०० ०९२	

1	2	3	4
14.	36964	श्री उद्देशी विनय शिवार्जी, प.सी.ए., 18 लक्ष्मी दीप, ४था मंजला ठाकुरगाड़ी, डॉर्चिली, ठाणे	1-4-92
15.	37285	श्री काने प्रशांत परम्पराम, प.सी.ए., पांचर छण्डिया, फाइनान्स एंड एकाउन्ट्स डिपार्टमेंट्स, मांताकुम, बम्बई-400 026	20-5-92
16.	39967	श्री कृष्णनन आनंद, प.सी.ए., 8/66, वेलकेयर हाउस, मायन (वेस्ट), बम्बई-400 022	25-5-92
17.	41669	श्री परमग ऐ.पडीत, प.सी.ए., 21 लाया अपार्टमेंट्स, 10 वा रोड, युको बिल्डिंग के पीछे, जे छ्ही पी डी, विलेपालै (वेस्ट), बम्बई-400 049	4-6-92
18.	43328	श्री कालोड अनिलकुमार मुरलीधर, प.सी.ए., प-14, नेमिनाथ अपार्टमेंट्स गिमपोली रोड, बोरिवली (वेस्ट). बम्बई-400 092	8-4-92

प. के. मजुमदार
सचिव

दिनांक 29 जूलाई 1992

मा. 3 डब्ल्यू. सी.ए. (5) 5/92-93 —इस संस्थान की
अधिसूचना नं. 3 डब्ल्यू. सी.ए. (4) 21-91-92 दिनांक
27-12-91, 3 डब्ल्यू. सी.ए. (4) 17/91-92 दिनांक
22-2-92 के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988
के विनियम 20 के अनुसरण में एनदडारा यह सूचित किया
जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधि-
कारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार
संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित

सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई निधियों में स्थापित कर
दिया है :—

क्र. सं.	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	5558	डॉ. पार्श्व प्रल्हाद कांसिलाम, प.सी.ए., कृष्णा निवास, गणेशबाई, ब्रॉडराब मार्केट के पीछे, बरोडा-390 001	22-5-92
2.	19564	श्री रामामृत मुन्द्ररम, प.सी.ए., 101-वी, बसंत विहार, डॉ. गिआबाई मार्म, चम्बूर, बम्बई-400 074	22-6-92
3.	37289	श्री राजु वी.एस.एम., प.सी.ए., ओमान इंटरनेशनल बैंक, पी.ओ.ओ. बाक्स 4216, मुंबई, भलतन अॅफ ओमान	15-6-92
4.	38745	श्री कपूर देवेन्द्र जोगिन्द्र, प.सी.ए., डी-1, बन गंगा को-गोवंडी स्ट्रीट, देवनगर, बम्बई-400 088	29-5-92

प. के. मजुमदार
सचिव

मद्रास-600 034, दिनांक 3 जूलाई 1992

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

मा. 3-एम.सी.ए. (5) 4/92-93 —इस संस्थान की
अधिसूचना नं. 3-एम.सी.ए. (4) /12/83-84 दिनांक
31 मार्च 1984, 3-सी.ए. (4) /10/83-84 दिनांक
31 मार्च 1984, 3-एम.सी.ए. (4) 12/89-90 दिनांक
25 अक्टूबर 1989, 3-एम.सी.ए. (4) /8/90-91
दिनांक 1 दिसम्बर 1990 और 3-एम.सी.ए. (4) /9/91-92
दिनांक 1 जनवरी 1992 के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार
विनियम 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एनदडारा
यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19
द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त
लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में

निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे वी गई तिथि में स्थापित कर दिया है।

क्र०	मदस्यता सं०	नाम पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	4572	श्रीनामाभूषणा राव वी० ए० सी० ए०, 45-58-16/2 माध्यनिलायाम नगरसिम्हा नगर विणाक्षापटनम-530 024	2-6-92
2.	18427	श्री सुकुमार वी० ए० सी० ए० 123 4 स्ट्रीट कुमारन कालोनी वाडापलानी मद्रास-600026	8-6-92
3.	18768	श्री श्रीरामा के० आर० ए० सी० ए० 109 आई ब्लाक राजाजी नगर वंगलौर-560 010	28-5-92
4.	19713	श्री गधवन वी० ए० सी० ए०, 26 ओलिवर रोड माइलापोर मद्रास-600 004	4-5-92
5.	24713	श्री अन्नादुराई वी० ए० सी० ए०, फाइनेन्स मैनेजर मैसस्स स्टालियन टायर्स पी० नि० पी०-9 आई० ई० ए०, नाचाराम हैदराबाद-501 307	17-6-92
6.	24975	श्री नारायणा भट ए०, ए० सी० ए०, 88 जीरिज बिल्डिंग II कोस मालेश्वरम वंगलौर-560 003	23-6-92
7.	25787	श्री सुरेश कुमार ए० सी० ए०, ए० सी० ए० जी-13 फाइन होम अपार्टमेंट्स भयूर विहार फेज-1 नई दिल्ली-110092	15-6-92
8.	27045	मिस मीरा वरदाराजन, ए० सी० ए० ए० च 96 ए० स० टी० सी० हाऊसिंग कालोनी, हासुर-635 109	22-6-92

1	2	3	4
9.	29418	श्री भंसाली सजय ए० सी० ए०, 33 पोन्नुरंगम रोड (ईस्ट) आर० ए० स० पुरम, कोयम्बटूर-641 002	15-6-92
10.	83838	श्री रामन ए० ए०, ए० सी० ए०, 39/2 थर्ड फ्लॉर, अभिरामापुरम मद्रास-600 018	2-6-92

ए० के० मजुमदार सचिव

दिनांक 31 अगस्त 1992

(चार्ट्ड एकाउन्टेंट्स)

सं० 3-एस०सी०ए०(5)/5/92-93 —इस मंस्थान की प्रधिकृति नं० 3-एस०सी०ए०(4)/9/91-92 दिनांक 1 जनवरी 1992-3-एस०सी०ए०(4)/8/90-91 दिनांक 1 दिसम्बर 1990 और 3-एस०सी०ए०(4)/12/89-90 दिनांक 25 अक्टूबर 1989 के मन्दर्भ में चार्ट्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्ट्ड प्राप्त लेखाकार सम्बन्ध परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे वी गई तिथि से स्थापित कर दिया है।

क्र०	मदस्यता सं०	नाम पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	1436	श्री भागवा बल राज ए० सी० ए०, हाउस नं० 266 15 मैन, 5 क्रास, आर० ए० स० वी० एक्सटेंशन मदाशिव नगर, वंगलौर-560080	29-6-92
2.	19690	श्री राम मूर्धी सी० ए० सी० ए०, केयर आफ ए० स० सुश्रामनियन फ्लैट बी७ काला फ्लैट्स 28 रामेश्वरम रोड टी० नगर, मद्रास-600 012	26-6-92

1	2	3	4
3.	21224	श्री मादुरी मधुसूदन ए० सी० ए० ७६ वैस्ट मरेडपल्ली रोड म० २, सिन्कल्न्डराबाद-५०० ०३४	1-7-92
4.	23017	श्री सेलवामनी सीटी ए० सी० ए० न० १३८ स्ट्रीट थिल्लाई गगा नगर नंगलालुर मद्रास-६०० ०६१	29-6-92
5.	27646	श्री सुन्दरम एस० ए० सी० ए० ४४ थिरुमंगलम रोड विलीवक्कम मद्रास-६०० ०४९	9-7-92
6.	43755	श्री रमेश गुप्ता ए० सी० ए० श्रामिस इंडस्ट्रीज लि० ग्रासिलेस डिवीजन कुमारापट्टम ५८१ १२३	8-7-92
		ए० के० मजुमदार सचिव	

कानपुर-208001, दिनांक 24 अगस्त, 1992

न० ३सी०सी०ए० (4) (1) /९२-९३—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों में प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा (1) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु (हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम) उनके आगे भी यही तिथि से हटा दिया है।

क्रम सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	071947	ज्ञान विनोद वाणीय, ६ फैस्ट फ्लॉर, रेलवे रोड, अलीगढ़-२०२००१	30-5-92

ए० के० मजुमदार
सचिव

न० ३सी०सी०ए० (8) (4) ९२-९३—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम सन् 1988 ई० के विनियम 10(1) छान्ड-३ के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किये गये प्रेक्षित प्रमाण पत्र उनके आगे दी गयी तिथियों से रद्द कर दिये गये हैं, क्योंकि वे अपने प्रेक्षित प्रमाण पत्र को रखने के इच्छुक नहीं हैं:—

क० सदस्यता नाम एवं पता दिनांक
म० संख्या

1	2	3	4
1.	017081	श्री रवीन्द्र सिंह रैकवार, ए० सी० ए०, ११३/१९४, स्वरूप नगर, कानपुर-२०८००२	12-4-92
2.	033327	श्री ज्ञान अन्व जैन, ए० सी० ए०, केयर आफ डी-२, सुपर कालोनी, खाईका लमका गृलाबपुरा-३११०२१	10-6-92
3.	071364	श्री रमेशचन्द्र साबू, ए० सी० ए०, ५२५, डिफेस कालोनी, कमला नेहरू नगर, चौपासानी रोड, जोधपुर-३२४००९	1-4-92
4.	72578	श्री शुभीर कुमार श्रीबास्तव, ए० सी० ए०, सी० एकाउन्ट्स आफीसर, एन० एम०डी०सी० लिमिटेड, पन्ना कालोनी, पन्ना-४८८००१	15-6-92
5.	73358	श्री प्रकाश चन्द्र काबरा, ए० सी० ए०, १७/३, माउथ टूकोगन्ज, इन्दौर-४५२००१	25-5-92
6.	74040	श्री राजेन्द्र कुमार जाबाख, ए० सी० ए०, प्लाट न० २, स्पेशल बल्लभ नगा, एन आर आर पी एस कालोनी, गुमानपुर, कोटा-०	18-5-92
7.	74183	श्री अनुजु कुमार, ए० सी० ए०, १० एड्ज बूड डाइव, रोकड़वे एन जे-७८६६, य० एस० ए०	21-5-92

1	2	3	4
8.	74351	श्री धनपाल दोसी, ए० सी० ए०, 33 शिव विलास पैलेस, राजवाडा, इंदौर-452004	25-5-92
9	74524	श्री नरेन्द्र कोठारी, ए० सी० ए०, 87, अजीत कालोनी, जोधपुर-0	30-12-91
10.	74741	श्री शैलेश कुमार पठवा, ए० सी० ए०, जैन स्टीट, सर्विका बाजार, जोधपुर-342002	23-3-92
11.	80467	श्री विनोद कुमार, गुप्ता, एफ० सी० ए०, 212, न्यू गोधी नगर, गाजियाबाद-0	20-5-92
12.	86193	श्री घनश्याम गाठी, एफ० सी० ए०, जी० राठी एण्ड एसोशिएट्स, बी 37/194 जी०, विराजोपुर, वाराणसी-221010	11-5-92
13.	87486	श्री हरी नागरानी, ए० सी० ए०, एम 37, महा विधाननगर, विहारिनगर कृष्ण जन्म भूमि, मथुरा-281001,	1-7-92
ए० के० मजुमदार, सचिव			

भारतीय औषधीयिक वित्त नियम

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 अगस्त, 1992

भारत के राजपत्र भाग-III—खण्ड 4 दिनांक 20 जून 1992 में
प्रकाशित अधिसूचना सं० 3/92 का शुद्धि-पत्र

श्र०	पृष्ठ	पैरा एवं लाइन सं०	अनुद्धु म्	शुद्धि
1	2497	33(1)(ii), लाइन 6	किसी भी कर्मचारी किसी कर्मचारी	
2.	2497	33(1)(iii), लाइन 1	58	50
3.	2497	33(3), लाइन 2	मेवा-निवृत्ति मेवा-निवृत्ति	
4.	2498	पैरा 2,लाइन 2	जाएगी	जाएगे

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 मिनम्बर, 1992

सं० ई-111/10(20)91 एम०ए०च०—कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 को 19) की धारा 17 की उपधारा (4) के खंड (क) द्वारा, प्रबन्ध शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त एवं द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 की धारा 17 की उपधारा (1) के खंड (क) के अत्यर्गत मैसर्स श्री निवास कोटन मिल्स लिमिटेड, बन्हई की स्वीकृत छूट 1-4-92 से रद्द करते हैं, जिसे अधिसूचना सं० एस० आर० ओ० 3416 दिनांक 17 अक्टूबर, 1957 से अम सं० 49 पर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त द्वारा जारी किया गया और भारत के राजपत्र के भाग-II खंड-3 में दिनांक 26-10-1957 को प्रकाशित किया गया।

ब० ना० सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/झ०. एल. आर०/एकजम/89/भाग-1/
2592—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे
इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि
और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 का 19 की धारा 17
की उपधारा 2(क) के अत्यर्गत छूट के लिए आवेदन किया है
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त हम सात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदात या प्रीमियम की आवायी किए विना जीवन दीमा के रूप में भारतीय जीवन दीमा नियम की सामूहिक दीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, ताकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप संवर्धन दीमा स्कीम, 1976 के अत्यर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अब: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ मंलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शतों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-2) में उल्लिखित पिछली नामों से प्रभावी जिस तरीके से उक्त स्थापना को अंत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कोणम्बट्टु ने रकीम की धारा 28(7) के अत्यर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट दी जाएगी।

अनुसूची—1

क्र. संख्या	कोड संख्या	दृष्टि की प्रभावी निधि	क्र. संख्या
1. मैसर्स जया एण्ड कम्पनी, 30, पी.एन.आर.लैंड, आउट, त्रिल्ली रोड, कोयम्बटूर-18	टी०एन०/3543	01-04-91 से 31-03-94	2/4043/92- श्री.पल०आई०
2. मैसर्स श्री करुणाम्भीका इंजीनियरिंग वर्क्स, मैन रोड, अवनाशी-638654	टी०एन०/4664	01-07-88 से 30-06-91	2/4044/92- श्री.पल०आई०
3. मैसर्स श्री करुणाम्भीका इंजीनियरिंग वर्क्स, मोटर पम्प सेक्षन, त्रिल्लपुर रोड, अवनाशी-638654	टी०एन०/4664	01-07-88 से " "	2/4045/92- श्री.पल०आई०
4. मैसर्स श्री भेंगला फाउण्डरी, त्रिल्ली रोड, कोयम्बटूर-641005	टी०एन०/25185	01-11-90 से 30-10-93	2/4048/92- श्री.एस०आई०
5. मैसर्स ई०एल० फोर्ज लिं., इंडिकानीकोटा रोड, हस्तर पिन-6	टी०एन०/16717	01-01-88 से 31-12-90	2/4047/92- श्री.एल०आई०

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पद्धति नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की भवानीक के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वागा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उम संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुमंस्ता की भाषा में उसकी मूल्य बांगों का अनुदाद स्थापना के मुच्चना एहत पर प्रदर्शित करेंगे।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन शूल प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के

सदस्य के रूप में उसका नाम त्रुट्ट करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ द्वारा जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित स्पष्ट से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवैध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस बात में संवैध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के लिए में दोनों राशियों के अन्तर वरावर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन भविष्यत क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना दीर्घकाल लाभ करने का योग्यतयक्त अधिकार देगा।

9. यदि किसी आगामी स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा उप सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपने चलो ते अधीन महीने रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी जीवन में कम हो जाने हैं से गम्भीर की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन वीमा नियम नियत करते, प्रीभियम का संदाग करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यापक हो जाते दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीभियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिका की दशा में उत्तर सदस्यों के द्वारा निर्देशितों या विधिक दारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, वीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की छूट होने पर उसे हक्कार नाम निर्देशितों/विधिक दारिशों की वीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

वी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/
2600—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजिताओं से (जिसे

इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारी उद्दार्थ अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए जारीदार किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उदार उद्धितियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, वी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस वात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंदरात या प्रीभियम की अदायगी किए बिता जीवन वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा नियम की सामूहिक वीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एसें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप संहारुद्ध वीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा उक्त अधिकारियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संस्था तथा निधि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संज्ञना अनुसूची-II में निर्धारित शर्तों के रहरे हुए मैं, वी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपवर्त्तों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 से उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची—I

क्रमांक	स्थापना का नाम और पता	कोड सं.	स्थापना को छूट पहले से वढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की सं० तथा नियि	प्रदान की गई छूट की राजापित की	अवधि जिसके लिए और छूट दी है	क्रमांक निया	काइल सं०
1.	मैं गुजरात स्टेट फोरेस्ट डिवलेपमेंट कारपोरेशन लि०, 'बन गंगा' 78, अलकापुरी, बड़ोदा-390005	गुज०/ 10289	2/1959/डी०/एल०आई०/एक्जम/89—भाग-1, दिनांक 19-1-90	31-5-91 से 31-5-94	1-6-91 से 1-6-94	2/2504/90-डी०एल०आई०	
2.	मैं ईस्टर्न इण्डस्ट्रीज, 275, जी०आई०डी०सी० इण्डस्ट्रियल स्टेट, मकरपुरा, बड़ोदा-390010	गुज०/ 2893	2/1959/डी०/एल०आई०/एक्जम/89—भाग-1 दिनांक 4-4-91	28-2-90 से 28-2-93	1-3-90 से 1-3-93	2/3396/91-डी०एल०आई०	
3.	मैं ट्रांसपैक इण्डस्ट्रीज लि०, कलाडी रोड, अटलावरा, बड़ोदा-18	गुज०/ 5231	2/1959/डी०/एल०आई०/एक्जम/89—भाग-1 दिनांक 4-4-91	28-2-90 से 28-2-93	1-3-90 से 1-3-93	2/3414/91-डी०एल०आई०	

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लोक रखेगा तथा । (गोपन के नियंत्रण के नियंत्रण के सुविधाएँ प्रदान करेगा जो कर्मचारी भविता विश्व आयुक्त, सदर-सभ्य पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे नियोजक प्रभारी का प्रस्तुक सास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संकाय गहरैगा जो क्षेत्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के भाग-के अधीन सभ्य-भविता पर गिरेंगे करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत गोपनीयों का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदर्भ, लेखांडों का अंतरण, नियोजण प्रभार का अंतरण आदि भी है, हाँने वाले सभी वार्षिक कार्यों का बहुत नियोजक द्वारा किया जायेगा ।

4. नियंत्रण, बोन्डेट भविता द्वारा अन्मोहित सामूहिक बीमा स्कीम के नियंत्रों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन नियंत्रण गये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की धारा में उसारी मूल्य वाली का अनुवाद स्थापना के भवित्व पृष्ठ पर प्रतिनियंत्रण करेगा ।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भवित्य निधि का या उक्त अधिनियम वे अधीन लूट ग्रात विसी स्थापना की गविष्य विधि का गहने गे ही सदृश्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के संदर्भ के रूप में सकाया नाम तृतीय दर्ज करेगा और उसकी बाबत उत्तराधीनियम भागीदारी जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ नहीं जाने हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में गम्भीर रूप में अधिक किए जाने तो शावक्ता करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों द्वारा लिए सामूहिक नीति स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों तो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी भाव के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस शर्त से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती तरह वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारियों/नाम नियोजितों को प्रतिकर के रूप में दोनों गणियों के अंतर वरावर राशि का संदर्भ करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन गम्भीर अधीनीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के द्वितीय जीवन जापना और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के लिए एर प्रतिक्रिया पड़ते वही संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य विधि ग्राप्तन उपलब्ध अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों को प्रतिक्रिया देना होता है।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मपारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उम्मीदवाली बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना बताया है अधीन नहीं रह जाता है या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले नाम जीवन नीति में नहीं हो जाते हैं तो यह लूट रखद की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम वितर करें, इमियम का संदर्भ करने में वारपाल गहता है और पालसी को व्यवसाय तो जले दिया जाता है तो लूट रखद की जा सकती है ।

11. नियोजक स्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गए किसी व्यक्तिक्रम की व्यापारी में उन मृत सदस्यों के नाम नियोजितों या व्यक्तिक्रम की व्यापारी को जो यदि गढ़ लूट न दी गई होती तो उक्त स्थानीय के अन्तर्गत होते, बीमा नाभों के गंडाया वा उत्तराधीनियम नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम नियोजितों/व्यक्तिक्रम की बीमाकाल ग्राह ग्रास जाने के एक माह के भीतर सुनिदिच्चत वर्तमा ।

बी. एन. सोम,
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

स. 2/1959/डी एव. अ०८./एक्जेम/8७/भाग-1/
2608—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित विवेकताओं में (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारी उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आनंदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चैंपिंग में, बी. एन. सोम, कोलीग भविष्य निधि आयुक्त इस बात में संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अन्य अधिकार वा श्रीमियम की अधायारी किये विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का शाम उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोजित सहवद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य नाभों में ग्रन्थिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) इसारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-II में उल्लिखित शर्तों के अनुगार मैं, बी. एन. सोम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रस्तुक के सामने (अनुसूची-1 में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना व्यापकीय भविष्य निधि आयुक्त वर्षिक संग्रह में स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत हील प्रशान की है, 3 वर्ष की अधिक के लिए उक्त स्कीम भी संचालन की रुट देता है) ।

अनुसूची—I

क्रमांक	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	क्र० भ० ति० आ० फाइल संख्या
1.	मैसर्स डी०पी०एस० इण्डिया प्रा० लि०, 21-बी०, गुरुगांडे रोड, कलकत्ता-700019 तथा इसकी वाक्ताएँ जो इसी कोड से स्थित हैं।	डब्ल्यू०बी०/25932	01-04-89 से 31-03-92	2/4128/92- डी०एल०आई०
2.	मैसर्स सालीमार इण्डस्ट्रीज लि०, 25, गणेश चन्द्र पान्नू, कलकत्ता-700013 तथा इसका मुख्य कार्यालय और फैक्ट्री-1, सर्वामोई रोड़, सालीमार, हावड़ा स्थित।	डब्ल्यू०बी०/7265, 1719, 12503	01-04-88 से 31-03-91	2/4129/92- डी०एल०आई०

अनुसूची—II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियाँ भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का जनरल, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कही उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की दहुंसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी दावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ द्वाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशितों के प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय दरेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपर्योग भी कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दर्जे से पूर्व कर्मचारियों को अपना डिष्ट्रिक्ट कोण लाभ करने वा युक्तिशाली अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है तो इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले जाश किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियम करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिहाँ को व्ययत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों या विविध वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विविध वारिसों को बीमाकूल राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/
2616—जहाँ दैसर्व हिन्दुस्तान नियोजक निपटान, गांधी
ग्राम, विद्यालयठानम-530005 (ए. पी. 13) के कर्मचारी
भवित्व नियोजित और इकोण लाभान्वय अधिकारियम, 1952 (1952
का 19) की धारा 17 की उपचारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार
के लिए आवेदन किया है) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिकारियम
की धारा 17 की उपचारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार
के लिए आवेदन किया है) ।

चांकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भवित्व नियोजित आयूक्त
इस बात से संतुष्ट हूँ कि उद्दास्थापना के कर्तव्यार्थी कोई अलग
अंदाज या श्रीमियम की अदायती किए निजा जीवन बीमा के क्षेत्र में
भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक दीमा स्कीम का लाभ
उठा रहे हैं, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए नियोजित सहवाह बीमा
स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्थीकार्य लाभों से जटिल अनुकूल है
(जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अब: उक्त अधिकारियों की धारा 17 की उपचारा 2(क) द्वारा
इस अधिकारियों का प्रयोग करने होए ताता अम संवादात् भारत
सरकार/केन्द्रीय भवित्व नियोजित आयूक्त की अधिकारियों ए.
2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1 नियोजक
29-1-1992 के अनुसरण में दाता संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट
शर्तों के रखते हुए मे, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उप-
दातों के संचालन गे उक्त स्थापना को लौर 3 दात की आवश्यक
के लिए छूट प्रदान करता है, विवरण 31-7-91 से 30-7-94
तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 30-7-94 भी शामिल है ।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें
इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भवित्व
नियम आयूक्त, जो एसे विवरणिया भेंटेता और एसे लेता
रखता तथा निरीक्षण थे तिए एसे भवित्वान् प्रश्न करते
जो केन्द्रीय भवित्व नियोजित आयूक्त, समन्वय एवं
कर्तव्य ।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण इमारी का प्रत्येक मास की
समाप्ति के 15 दिन के भीतर संताय करते जो बोल्ड सरकार,
उक्त अधिकारियों की धारा (3-क) के लिए के अधीन
समय-समय पर निर्देश करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रयोग में (जिसमें अंतर्गत
लंबाओं का रखा जाना, विवरणियों का इस्तुत किया जाना,
बीमा प्रीमियम द्वा संदाय, लंबाओं द्वा अन्तर्गत निरीक्षण प्रभार
का संवाद आदि भी है, लंबाओं वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक
द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक
बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें
संबोधन किया जाए, तब उस संबोधन की प्रति तथा कर्मचारियों
को नहुमंस्या की भाषा में उसकी मूल वार्ता का अनुकूल स्थापना
के गृहजा एट पर प्रदर्शित करेगा ।

1992 (वार्षिक 4, 1914)

5. यदि कोई एसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भवित्व नियोजित
का द्वारा उपलब्ध नियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना
की भवित्व नियम का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना
में नियोजित किया जाता है हाँ, नियोजक सामूहिक दीमा स्कीम
के सदस्य के रूप में उसका नाम तरन्त दर्ज करेंगे और
उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को
संदर्भ करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों जो उपलब्ध लाभ
द्वारा जाते हैं तो नियोजक सामूहिक दीमा स्कीम के अधीन
कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सम्भवित स्व से वृद्धि
किए जाने की व्यवस्था करेंगा, जिससे कि कर्मचारियों के
किए सामूहिक दीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक
शुद्धकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुग्रह है ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हांते हुए भी गर्दि
किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस
राशि में कम है जो कर्मचारी को उस द्वारा में संदेश होती जब
द्वारा उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विभिन्न
राशि/नाम निर्देशितों को प्रतिकूल के स्व में इन्होंने गणितों के
अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक दीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन
एवं नियोजित क्षेत्रीय भवित्व नियम आयूक्त के एवं अनुमोदित के
द्वारा नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी गंशोधन में कर्मचारियों
को हिता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ते की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय
भवित्व नियोजित आयूक्त अपना अनुमोदित दर्ने से पूर्ण कर्मचारियों
को उक्ता हार्दिकोण स्पष्ट करने का स्वितशुका अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भवित्व जीवन
बीमा नियम की उस सामूहिक दीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले
दर्ना द्वारा है अधीन दहोरी रह जाता है या इस स्कीम के अधीन
कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रौप्ति हो जाते
हैं तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत हार्दीक के
द्वारा जो भवित्व जीवन दीमा नियम नियत वर्त, प्रीमियम का
राशि करने में असफल रहता है और पालिसी का व्ययत होते
जाते दित जाता है तो छूट रख दी जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किसे गये
किसी व्यक्तिकम की व्यापा में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों
या विभिन्न वारियों को जो यदि यह छूट न हो गई होती हो
उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, दीमा लाभों के संदाय का अन्तर-
दायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के
अन्तर्गत आवेदन के लिए किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार
लाभ निर्देशितों/विभिन्न वारियों को नीमात राशि प्राप्त होने के
एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

द्वी. एन. सोम
केन्द्रीय भवित्व नियोजित आयूक्त

सं. 2/1959/डी. प्र. आई./एक्जम/80/भाग-1/
2624—जहां, मैसर्स कस्टर्स हाउस टावर, गणपाल-576119,
फलटका (के. प्र. 5105) ने कर्मचारी भविष्य निधि और
इकोर्न उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा
17 को उपचारा 2(क) के अंतर्गत छूट विष्वार के लिए आवेदन
किया है (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया
है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, कंनौय भविष्य निधि आद्यते
इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोंडे अन्तर
अंशशाल ना प्रीमियम की अदायगी किए जिन जीवन बीमा के रूप में
भारतीय जीवन बीमा नियम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ
उठा रहे हैं, जो कि प्रेसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि
सहवाइ बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्टोर्कर्ट नाभों में अधिक
अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अन. उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपचारा 2(क) द्वारा
इस दिक्षियों द्वा व्रायग करने हुए तथा इस संबंधित भारत
सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं.
एम.-35014/266/85-एस. 4 दिनांक 20-11-83
के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते
हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपचारों के संबं-
लन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान
करता हूं, दिनांक 20-11-88 से 19-11-91 और 20-11-
91 से 19-11-94 तक लागू होंगा किसी यह तिथि 19-11-
94 भी शामिल है।

अनुभूमि।

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके
पश्चात् नियोजक कहा गया है) समन्वित क्षेत्रीय भविष्य निधि
वायका, को एसी विवरणियों भेजेंगा और एसे लेला रखेंगा तथा
निर्गिण को लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेंगा जो केन्द्रीय भविष्य
निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निर्गिण प्रभार का प्रत्येक साम को
समाप्ति के 15 दिन के भीतर संबोध करेंगा जो केन्द्रीय सरकार,
उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपचारा (3-क) के केंड-क के
अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत
लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा
प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निर्विभण गमार का
मदाय आदि भी है, हेतु वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक
द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमानित सामूहिक
बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशो-
धन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की
बहुसंख्या की भावा में उसकी मूल्य बानों का अनुशाद स्थापना
के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करें।

5. यदि बांहे ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का
या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को
भविष्य निधि का प्रहले तो ही सदम्य है, उसकी स्थापना में
नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम
के हृदय व्यय में उसका नाम तुरत बद्ध करेगा और उसकी
आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को मंदस
करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ
द्वाये जाने हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-
चारियों को उपलब्ध लाभों में समृच्छित रूप से बृद्धि किए जाने
की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक
बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से विधिक अनुकूल हो जाए
उक्त स्कीम के अधीन अनुशय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी वाय के हात लाए भी
यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ
गाइ से कहा है तो उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी
के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिक्रिय के मूल में दानों
राशियों के अन्तर बराबर गणित के संदाय फर्टेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपचारों में कोई भी संशोधन
समन्वित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के
विना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों
के हित पर असिक्युल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय
भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों
को अपना राष्ट्रकोष स्थाप्त करने का युक्तिगूक्त अद्वितीय देश।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन
बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना
पहले अपना जुकी है अधीन नहीं रह प्राप्त है या इस स्कीम के
अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी गति से कम
हो जाने हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के
भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियन करे, प्रीमियम
का संदाय करने से असफल रहता है और पालिसी को व्यपत रहे
जाने दिया जाता है तो यह रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए
किसी व्यानिकम की व्या में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों
या क्रियिक वारिसों के जो यदि यह छूट न दी गई होती तो
उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तर-
वायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के
अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु हेतु पर उसके हकदार
नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकार गणि प्राप्त होने
के पूर्व यह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एन. आई./एकड़म/89/भाग-1/2632—जहां मैसर्स एंडिया ब्राउन बोर्डरे नि., पोस्ट ऑफिस नं. 16, इण्डिस्ट्रियल प्लॉया, फरीदाबाद (पी. एन./375) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारी उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसके इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

धूक मं. बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयूक्त इस धारा में संसुन्दर है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी को हें अन्य अंगदान या प्रीमियम की अवायनी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भागीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एमें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोग सम्बद्ध दीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

इतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त जीवियों का प्रयोग करने हए तथा इस मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयूक्त की अधिमूलना भ. एम-35014/237/82-पी. एफ.-2 (एम. एस. 2) दिनांक 28-6-1985 के अनुसारण में तथा संनजन अनुसूची में निर्धारित इनमें के गहरे हाएँ मं. बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के भी उपदेशों के संचालन में उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता है, दिनांक 4-12-88 से 3-12-91 और 4-12-91 से 28-2-93 तक नागृ हांगा जिसमें यह निधि 28-2-93 भी कामिल है।

अनुसूची।

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयूक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एंहें लेता रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयूक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, गंभ निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक शासकों के समान्त के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के गण्ड-के अधीन समर्ट-गमय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत सेवाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तूत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसूचित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक-एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति हाथा कर्मचारियों की महसूसेय की भाषा में उसकी मूल्य लाभों का अनुदाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेंगा।

5. यदि कोई एसो कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सवस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है हो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बावजूद आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम के संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध आभ बड़ाएँ जाएं हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसके लिए कर्मचारियों के लिए गामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बाहर के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उभ दशा में संदर्भ होती, तब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारों के विधिक वार्षिक/नाम निवैशितों को प्रतिकर के रूप में दोगों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित दोनों भविष्य निधि आयूक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयूक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना इंटरेसेट प्रष्ट करने का यूकितयूक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले नाम किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत हारीक के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम चिह्नित करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवस्था होने जाने विद्या जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी अनियम फी दसा में उन मृत सदस्यों के नाम निवैशितों या विधिक वार्षिकों को यदि यह छूट न दी गई होती हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधिकार नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु दूसरे पर उसके हक्कदार नाम निवैशितों/विधिक वार्षिकों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक भाव के भीतर मुनियिजन करेगा।

दी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयूक्त

म. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-1/
2640—जहां अनुसूची-1 में डॉन्सिंग नियोजकाओं ने (जिम
इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी
भविष्य निधि और प्रश्नीर्ण उपचर्य अधिनियम, 1952 (1952
का 19) की धारा 17 को उण्डारा 2 (क) के अंतर्गत छट के
विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिमें इसमें इसके पश्चात्
उक्त अधिनियम कहा गया है)।

कैंकिं मैं, वी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
इस धारा से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोइस
अन्य अंदारा या प्रीमियम की अद्यायी किए दिना जीवन वीमा
के स्वरूप से भारतीय जीवन वीमा नियम को सामूहिक वीमा व्यवस्था
का नाम देया गया है, जो कि एंगे कर्मचारियों के लिए

कर्मचारी निक्षेप सहबूथ वीमा व्यवस्था, 1976 के अंतर्गत
सर्वीकार्य लालों से अधिक अनुकूल है। (जिमें इसमें इसके
पश्चात् व्यवस्था कहा गया है)।

अब: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा व्यापक संचालन
भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना
मंस्तु तथा तिथि जो प्रत्यक्ष स्थापना के नाम के सामने दर्शाई गई
है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुभूची-।। में दिव्यारित शक्ति
द्वारा ग्रहण हुए मैं, वी. एन. सोम, उक्त व्यवस्था के सभी उपचर्यों
के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की ओर 3 वर्ष की अधिक
के लिए छट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुभूची-1 में
उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

क्रमांक	स्थापना का नाम और पता	कोड नंंदेवा	स्थापना को छट बनाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना मंस्तु तथा निधि	पहले से प्रदान की गई छट की मापदंश वी निधि	अवधि जिसके लिए और छट दी गई है	के ल.नि.आ० फाइल मंज्या
1.	मैमर्स अविल्या मिल्स लि०, मदन गंगा निगमनगढ़, राजस्थान	आर०जे०/ 864	एस-35014/ 116/87/एस० एम०- दिनांक 16-11-87	15-11-90 से 15-11-93	15-11-90 में	2/1671/87- डी.एन.आई०
2.	मैमर्स राजस्थान स्टेट लिंग एंजे कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन लि०, बेतु भवन निवासना इंगरी के मामने, जयपुर	आर०जे०/ 2993	2/1959/डी० एल०आई०/ एकजम/89/ पार्ट 1, दिनांक 18-9-90	28-2-90 में 28-2-93	1-3-90 में 28-2-93	2/1137/89- डी.एन.आई०
3.	मैमर्स गंतव्य प्रामैसर्स प्रा.लि०, पूरे गोड, भीलवाडा, राजस्थान	आर०जे०/ 4710	2/1959/डी० एल०आई०/ एवजम/ पार्ट-I, दिनांक 22-5-90	30-9-91 में 30-9-94	1-10-91 में 30-9-94	2/2328/89- डी.एन.आई०

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण को लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसी निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उण्डारा (3-क) के छट-के अधीन भास-भास पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक वीमा व्यवस्था के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संबंध, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का गंदाद आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का अहन नियोजक इवारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार इवारा अनुमोदित गामूहिक वीमा व्यवस्था के नियमों की एक प्रति और जह कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को वह-मंस्तु की भाषा में उनकी मूल बातों का अनुवाद स्थापना के लिए पार्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही समस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक वीम स्कीम के समय के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वापस आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवंत बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ द्वारा जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन बनेंगे हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस राशि से कम हो जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के क्रियिक वारिस/नाम नियंत्रितों को इतिकर के रूप में दोनों गतियों के अन्तर विवार राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी क्षेत्रीय सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हिस्से पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना शैक्षिकीय संषष्टि करने का गतिविधि आवश्यक देंगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवंत बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिस स्थापना एहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है तो इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी गति में कम हो जाते हैं तो वह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजित उस नियत सारित्य के भीतर जो भारतीय जीवंत बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को वापस नहीं जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक व्यापार व्यापारियों के संदाय में किये गये किसी व्यापारिक की दशा में उन मृत संघर्षों के नाम नियंत्रितों द्वारा विद्युतिकृत की जो यदि वह छूट न ही गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय वा उत्तरायित्व नियोजित पर होंगा।

दी. एन. सोम,

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

लि., कर्नाटक, पोस्ट शाखा नं. 518 (हाफ सभी शाखाएँ जो इस कोड नं. में स्थित हैं) (ए. पी./17071) दे कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारीय उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 10) की धारा 17 की उपकारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आदेश दिया है (जिस द्वारा इसके पश्चात उक्त अधिनियम बहुत गया है) ॥

लॉक मै. बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस दाता से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवान या ग्रीष्मियम नहीं आयेगी किए बिना जीवंत बीमा के स्वरूप में भागीय दीवान बीमा नियम की सामूहिक वीम स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एस्में कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियम सहवद्विध दीवान ग्रीष्मीय, 1976 के अन्तर्गत सूक्ष्मार्थ लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपकारा 2(क) कुदारा इवान शक्तियों का प्रयोग करने वाले तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिकारियों में 2/1959/डी. एन. आई./एक्जेम/89/भार-1, दिनांक 24-6-1992 के अन्तर्गत में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मै. बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपलब्धों के संचालन में उक्त स्थापना वो अंत 3 वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान करता है, दिनांक 1-4-91 से 31-3-94 तक ताकि इस द्वारा जिसमें गहु तिथि 31-3-94 भी शामिल है ।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एस्मी विवरणियों भंजेगा और एसे लेखा गतियों वाला नियोजन के लिए एस्मी सूचिभाग प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, भृष्ट प्रमाण पर नियंत्रित करें ।

2. नियोजक, एस्में नियोजन प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-गमय पर नियंत्रित करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रदान समय में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, नियोजन प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी धर्यों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक स्कीम के नियमों की एक प्रति और उब जब उनमें मार्गीपन किया जाए, तब उम संशोधन की प्रति नवा कर्मचारियों की वहन-नियम की भाषा में उसकी मृत्यु बालों का अन्वाय स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संक्षत करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ भांडाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि प्रदान की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों को लिए सामूहिक जीवा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी पर्दि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबोध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश द्यती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवैषितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित शब्दों व्यवस्था निधि आयुक्त के पर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के लिए पर प्रतिकूल प्रभाव पहुंचे की संभावना हो, वहां शेषीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दोनों से पर्व कर्मचारियों को अपना दीप्तिकोण स्पष्ट करते का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना गहरे अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले सामने किसी रैति में नहीं हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियन्त्रण तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियन्त्रण करें, प्रीमियम का संबोध करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यापत हो जाने विद्या जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

अनुसूची-I

क्रमांक	स्थापना का नाम और पता	कोड सं.	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की सं० संथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	के० भ० मि० आ० फाइल सं०
1	2	3	4	5	6	7
1	मैसेस हिको प्रोडक्ट्स लि०, पं० सलवलकर भार्ग, महिम, बम्बई-16	महा०/ 1535	एस-35014/ 327/82-पी० एफ०-II, एस० एस- , विनाक	एस-35014/ 327/82-पी० एफ०-II, एस० एस- , विनाक 2-9-86	10-12-88 से 10-12-91	11-12-88 से 10-12-91 2/238/79- श्री०एल०आई०

1	2	3	4	5	6	7
2.	मैसर्स क्यूस्ट इण्टरनेशनल (इण्डिया) लि० (पहले नार्देन (इण्डिया) लि० के नाम से) 10 बी मंजिल, मेकर चेम्बर II, 222, बैंकले रेकलेमेशन, पा० बा०, सं० 19964, नरीमान पाइट, बम्बई-21	महा०/ 1790	एस-35014/ 123/85-एस० एस० II, दिनांक 23-5-85	22-5-88	23-5-88 से 22-5-91	2/221/79- डी०एस०आई०
3.	मैसर्स मफतलाल डेस एड केमिकल्स लि०, होच्स्ट हाउस, 193, बैंकले रेकलेमेशन, नरीमान पाइट, पो० आफिस बम्बई-21 तथा इसकी शाखाएं जो इसी कोड सं० में हैं।	महा०/ 4527	2/1959/डी० एल०आई०/ एकजम/89- भाग-1, दिनांक शून्य	17-12-91	18-12-91 से 17-12-94	2/52/77- डी०एल०आई०
4.	मैसर्स एकजमलर हंजीनियरिंग, प्रा० लि०, 70, लक्ष्मी हंसयोरेंस, बिल्डिंग, सर पी० एस० रोड, बम्बई-1	महा०/ 6797	2/1959/डी० एल०आई०/ एकजम/89- भाग-1, दिनांक 10-9-91	14-1-92	15-1-92 से 14-1-95	2/777/82- डी०एल०आई०
5.	मै० पोली चेम लि०, एल०य० गहकरी मार्ग, चेम्बर, बम्बई-74	महा०/ 9115	एस-35014/ 243/83-पी० एफ० II, दिनांक 23-2-87	23-12-89	24-12-89 से 23-12-92	2/891/88- डी०एल०आई०
6.	मै० पोली चेम लि०, 7-जै०, टाटा रोड, चर्च गेट, बम्बई-20	महा०/ 5207	एस-35014/ 242/83-पी० एफ० II, एस० एस० II, दिनांक 10-11-86	23-12-89	24-12-89 से 23-12-92	2/891/83- डी०एल०आई०
7.	मै० ओदे इण्डिया लि०, ओदे हाउस एल० बी० शास्त्री मार्ग, विल्हरोल बेस्ट, बम्बई-83	महा०/ 14765	2/1959/ डी० एल०आई०/ एकजम/89- भाग-I, दिनांक 18-5-90	19-11-91	20-11-91 से 19-11-94	2/588/81- डी०एल०आई०
8.	मैसर्स आई० जी० ई० (इण्डिया) लि०, निर्मल, नरीमान पाइट, डाकघर बाक्स-11652, बम्बई-21	महा०/ 4043	—वही— दिनांक 29-1-92	19-11-91	20-11-91 से 19-4-94	2/515/84- डी०एल०आई०
9.	मै० बी एसोमिपटेक सीमेट कं० लि०, सीमेट हाउस, 121, एम०के० रोड, चर्च गेट, बम्बई-20	महा०/ 4095	—वही— दिनांक 10-9-91	24-11-91	25-11-91 से 24-11-94	2/658/82- डी०एल०आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के संष्क-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तूत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को वह संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबंधित करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष्य है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस बात में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिसा/नाम निर्धारितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना डिल्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत सार्वीक के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियत नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी के व्यवहार हैं जान दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किसे गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्धारित हैं या दिक्षिक वारिशों की जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवाचीय नियोजक पद होगा।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/
2664—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (सिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्थीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-1। मैं निधारीरत धर्ती के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

क्रमांक	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की सं० तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति	अवधि जिसके लिए और छूट की गई है	के० भ० नि० आ० फाइल संख्या
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० सोमा सुन्दरम मिल्स, 10/64, सोमा सुन्दरम मिल रोड, कोयम्बटूर-641009	टी०एन०/ 53	2/1959/झ० एल०आई०/ एकजम०/89- पार्ट-1/12 दिनांक 2-1-91	31-12-90 31-12-92	1-1-90 में	2/3294/90- झ०एल०आई०
2.	मै० कोयम्बटूर को०-आप- रेटिव प्रिंटिंग वर्क्स लि०, सं० के०-678, पी०बी० सं०- 3829 लिंची रोड, कोयम्बटूर-18	टी०एन०/ 562	2/1959/झ० एल०आई०/ एकजम०/पार्ट-1/ 8069 कंजमक, विनांक 7-11-90	31-7-89	1-8-89	2/2945/
3.	मै० चन्द्रा टैक्सटाइल्स लि०, पोहनर हाउस पो०बा० सं० 1615, पीलामणू, कोयम्बटूर-641004	टी०एन०/ 932	2/1959/झ० एल०आई०/ एकजम०/पार्ट-1/ 1081, विनांक 7-12-89	25-12-91 25-12-94	26-12-91 में	2/592/81- झ०एल०आई०
4.	मै० गंगा टैक्सटाइल्स प्रा० लि०, 1168 अवमायी रोड, कोयम्बटूर-37	टी०एन०/ 1112	2/1959/झ० एल०आई०/ एकजम०/89-पार्ट- 1/1081, विनांक 7-12-89	24-3-91 24-3-94	25-3-91 में	2/1185/85- झ०एल०आई०
5.	मै० श्री करुनामविगाई मिल्स लि०, पो०बा० सं० 2, सोमानूर-638668	टी०एन०/ 1708	एस-35014/ 229/86-एस० एस० II, विनांक 29-8-86	27-8-88 27-8-91	28-8-88 में	2/483/90- झ०एल०आई०
6.	मै० दा भीलगिरीज डिस्ट्रिक्ट को०-आप० मिल्स प्रोड्यूसर्स शूलियन लि०, रोड सं० जे-18, उद्दोगमंडलम-643001	टी०एन०/ 3102	2/1959/झ० एल०आई०/ एकजम०/89-पार्ट- 1/67, विनांक 11-1-91	28-2-90 28-2-93	1-3-90 में	2/684/82- झ०एल०आई०
7.	मै० दा सेलमिलिस्ट्रिक्ट सेन्ट्रल को०-आपरेटिव बैक लि०, पो०बा० सं० 171, चेरी रोड, सेलम-638001	टी०एन०/ 4147	एस-35014/8/ 84/पी०एफ० II/एस० एस० II, विनांक 24-8-87	16-3-90 16-3-93	16-3-90 में	2/983/83- झ०एल०आई०

1	2	3	4	5	6	7
8.	मै० फैस्टो एल्पो प्रा० लि०, पो०बा० सं० 1813, इण्डस्ट्रियल एस्टेट, द्रोची रोड, सगनालूर, कोयम्बटूर-5	टी०एन०/ 5479	2/1959/डी० ^१ एल०आई०/ एक्जम/89-पाटे- 1/1081, विनांक 7-12-89	29-4-91 से	30-4-91 29-4-94	2/1194/85- डी०एल०आई०
9.	मै० लक्ष्मी रिंग ट्रैवलर (सी०बी०आई०) लि०, यू०आर० हाउस 2 री फ्लोर, 1056 सी० अवनाशी रोड, कोयम्बटूर	टी०एन०/ 4147	एस-35014/8/ 84/पी०एफ० II/ एम०एस०- II, दिनांक 24-8-87	16-3-90 से	17-3-90 16-3-93	2/983/83- डी०एल०आई०
10.	मै० स्टैण्डर्ड सिप्रिंग्स एण्ड शीट मैटल पो०बा० सं० 6320, पहली मंजिल अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-37	टी०एन०/ 12399	2/1959/डी० ^१ एल०आई०/ एक्जम/89- पाटे-1, विनांक 26-2-90	31-10-90 से	1-11-90 31-10-93	2/3121/90- डी०एल०आई०
11.	मै० यूनिवर्सल इंजीनियरिंग डण्डस्ट्रीज एस०के० सं० 98, पीलीडम रोड, ग्रोथकलमन्डपम-641032	टी०एन०/ 21422	2/1959/डी० ^१ एल०आई०/ एक्जम/89- पाटे 1/06 दिनांक 2-1-91	28-2-90 से	1-3-90 28-2-93	2/3247/90- डी०एल०आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित अंतीम भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यक्ष माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अंधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत सेवाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का दहन नियोजक इवारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के माध्यम पर्दे पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अंधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले गे ही गद्दस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक ग्रामीण बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सून्तर बर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारहीय जीवन बीमा निगम को संदेश करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समृच्छ रूप गे वृद्धि किए जाने

की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जा उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात को हांते हुए भी यांदू किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवृत्तियों को प्रतिकर के रूप में दीनों राशियों के अन्तर बाबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक दीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित अंतीम भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की साबद्धना हो, वहां अंतीम भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों के अपना हालिकाण स्पष्ट करने का युक्तिकृत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संबंध दरने में असफल रहता है और पालिमी को व्ययगत हो जाने विश्वास नहीं तो छटे रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा ग्रामीण के संबंध में कितृ ग्राम किसी ग्रामिकाम की वशा में उन मूल सदर्यों के नाम निवृत्तियों ग्रामिधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आर्द./एक्जाम/89/भाग-1/
2672—जहां मैर्सर्स बाटा इन्डिया लि., बाटांगा पटना-
800018 (बिहार) (2) बाटा इन्डिया लि., मोकामेगाट, पो.
बो. हटोशहा, 80331 पटना (डी.आर/805 और डी.आर/
806) प्रकोर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19)
को धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के
लिए आवेदन किया है (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधि-
नियम कहा गया है) ।

चूंकि मैं, डी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त
इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग
अंशादान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना बीमा के रूप
में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का
साथ उद्य रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी
निक्षेप सहबन्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों
से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा
गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क)
द्वारा प्रदत्त वाक्यांशों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय
भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधि-
सूचना सं. 2/1959/डी. एल. आर्द./एक्जाम/89/पाट¹
के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहस्य
हुए मैं, डी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के
संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए
छूट प्रदान करता हूँ, दिनांक 1-12-91 से 30-11-94 तक
लागू होगा जिसमें यह तिथि 30-11-94 भी शामिल है ।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, की एसी विवरणियां भेजेगा और एसें वैगा रहेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधातुं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर त्रिविष्ट करें ।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के छण्ड-के अधीन समय-समय पर निर्वैश करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखांडों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखांडों का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यर्थों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जड़ कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुत संख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर इवार्षित करेगा ।

5. यदि कोई एंसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त बर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय वार्षिक बीमा नियम का संदर्भ करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं हों तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्मिलित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम नियर्वैशितों को प्रतिकर के रूप में वारों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाद करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि से कम है जो कर्मचारी की उस वशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम नियर्वैशितों को प्रतिकर के रूप में वारों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संवाद करेगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम है, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम होते होते हैं तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने विद्या जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की वशा में उन मूल सदस्यों के नाम नियर्वैशितों या विविध वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती है उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने वाले लाभ के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम नियर्वैशितों/विविध वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

डी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एन. आई./एक्जाम/89/भाग-1/
2680—द्वारा मैसर्स थान्जावूर मेन्टेन को आपरेटिंग बैंक से।
थान्जावूर, II वेस्ट मैन स्ट्रीट, तेंजूर, कोड नं. (टी. एन./
4127) व्रांछों सहित ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारीण
उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की
उा-धारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त हूं वा उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंदाजान या प्रीमियम की अदानी किये दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हूं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संस्कृत अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस स्थिति से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त श्रियं ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढाल प्रवान की है, 3 वर्ष की अवधि को लिए उक्त स्कीम से मंचालन की छूट देता हूं। दिनांक 1-3-89 से 29-2-92 तक।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के मम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विविरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी संविधाएं प्रशाद करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के लिए के अधीन भवय-समय पर निर्वैध करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यायों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जह कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की एक तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूला वातावरण का अनुदाद स्थापना के सूचना पट्ट पर इवार्षित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी भाषना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरत दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं हो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्बन्धित रूप से विविध किये जाने की अवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के सिधिक वारिस/नाम निवैधितियों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का मंदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की मंभावना है, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने ने पर्यं कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्थाप्त करने का यक्ति-यक्ति अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम है, जिसे स्थापना पहले अपना अकी है अधीन रही होता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम होते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियस करे, ग्रीमियम का संदाय उन्ने में असफल रहता है और पालिमी को अग्रगत होते जाने विद्या जाता है तो उस रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा ग्रीमियम के संदाय में- किसी व्यक्तिक्रम की दशा में नया मूल सदस्यों के नाम निवैधितियों या गिधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधिकृत नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक द्वारा स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवैधितियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह में ग्रीतर संनिविष्ट करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/2760—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं वे (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयकर इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, ताकि एमें कर्मचारियों के लिए

दार्मचारी निष्क्रिय सहवद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत

स्वीकार्य लाभों से उधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना का प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकर हारियाणा ने स्फीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत छूट प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्फीम से संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची-I

क्र० सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० मि० आ० फाइल संख्या
1.	मैसर्स मार्ली उद्योग लिमिटेड पालम गुडगांव रोड, गुडगांव-122015 (हरियाणा)	पी०एन०/3844	01-06-87 से 31-05-90	2/2242/89- डी०एल०आई०
2.	मैसर्स भारत स्टारच एण्ड केमिकल्स लि० पी० ब्राक्स सं० 2, यमुना नगर (हरियाणा)	पी०एन०/778	01-10-89 से 30-09-90	2/4166/92- डी०एल०आई०
3.	मैसर्स सूर्य रथडु इण्डस्ट्रीज जी०टी० रोड, कुण्डली : सोनीपत-131027 (हरियाणा)	प्रा०आर०/11763	01-08-90 से 31-07-93	2/4167/92- डी०एल०आई०
4.	मैसर्स पराणन कंट्रोल्स एण्ड स्लिचियर (प्रा०) लि०, 49, मुर्धा इण्डस्ट्रियल एस्टेट, सोनीपत-131027 (हरियाणा)	एच०आर०/11384	01-08-90 से 31-07-93	2/4168/92- डी०एल०आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकर, को एसो किवरिणियों भरेगा और एसो नेसा रखेगा तथा नियोजक के लिए एसो सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयकर, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसो नियोजक प्रभावी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संबोध करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के बहु-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसमें अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्ताव किया जाना, बीमा प्रीमियम का गंवाय लेखाओं का अन्तरण नियोजक प्रभाव का भंदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यायों का उठन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक पर्याप्त और जट कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संख्या की भाषा में उसकी मर्याद लाभों का अन्तर्गत स्थापना के भवित्व पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसो कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आवास आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्श करेगा।

6. यदि उक्त स्फीम के अधीन कर्मचारीरियों को उपलब्ध लाभ दहाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारीरियों को उपलब्ध लाभों में सम्बन्धित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारीरियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से उधिक अनुकूल हो जो उक्त स्फीम के अधीन अनुशय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मरण पर इस स्फीम के अधीन संदेश राशि उस संशिय से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संबोध होती जब वह उक्त स्फीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम नियोजितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर दर्शव राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकर के पर्याप्त अन्मोदन के विना नहीं किया जाएगा और जस्ते लिमी गंशोधन से कर्मचारीरियों के हित पर प्रतिकर लगाने की भंदायता छोड़े जाने शेषीय भविष्य निधि आयकर अपना अनुमोदन देने से पर्याप्त कर्मचारीरियों को अपना विष्टिकाण स्पष्ट करने का युक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना द्वारा उपलब्ध की है उभी नहीं रह जाता है या एवं उसमें उभी उभी कर्मचारियों को आम होने वाले लाभ किसी रीति में कम होते जाते हैं तो वह ग्रन्थ की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत दारीय के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करते, प्रीमियम का संदाय करते में असफल रहता है और पारिस्थितिक व्यवस्था द्वारा जीवन बीमा नियम की संदाय के अन्तर्गत होता है तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, जीवन बीमा नियम के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशित हों या विधिक वारिमों को जो यदि वह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता।

वी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य नियन्त्रण आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/
2768—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे द्वारा उपलब्ध उपलब्ध उपलब्ध गया है) कर्मचारी भविष्य नियित और प्रकारी उपलब्ध नियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपलब्ध 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसके प्रकार उक्त अधिनियम कहा गया है)।

कृपिक मैं, वी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य नियित आयुक्त इस वाले से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अशब्दनय श्रीमियम की जीवन बीमा नियम के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, ताकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियित सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है (जिसे इसके प्रकार स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपलब्ध 2 (क) द्वारा प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-2 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, वी. एन. सोम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-2) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस नियित में उक्त स्थान का क्षेत्रीय भविष्य नियित आयुक्त मदुराई ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत द्वितीय प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से मन्त्रालय की छूट देता है।

अनुसूची—1

क्रम संख्या	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के॰ भ० नि० आ० फाइल संख्या
1.	मैसर्स श्री ज० श्रीतलक्ष्मी प्रोराइट्स श्री जयविलन ट्रांसपोर्ट 282, विचुली रोड, अस्सुपुरोटा०-626101	टी०एन०/1511— “ग”	01-11-88 से 28-02-89	2/4053/92— डी०एल०आई०
2.	मैसर्स ब्राइट स्पीनर्स (प्रा०) लि० ब्राइट नगर, थिल्पारनकुन्डम मदुराई-625005	टी०एन०/10053	01-06-90 से 30-05-93	2/4054/92— डी०एल०आई०
3.	मैसर्स नालूर मिल्क प्रोड्यूसर्स को-आपरेटिव सोसाइटी लि०, टी०वा०डी०-५९, नालूर पोस्ट, कन्याकुमारी डिस्ट्रिक्ट पिन कोड-629704	टी०एन०/20590	01-02-90 से 31-01-93	2/4058/92— डी०एल०आई०
4.	मैसर्स चिनाडोराई मिल, मदुराई रोड, डिडोगुल-624002	टी०एन०/20295	01-04-90 से 31-03-93	2/4058/92— डी०एल०आई०
5.	मैसर्स श्री वाडीवमविगाई मिल्स लि०, मुकान्ती, शिवांगंगा, पी०एम० डिस्ट्रिक्ट पिन-623560	टी०एन०/10686	01-04-90 से 31-03-93	2/4055/92— डी०एल०आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पदभार नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकृत, को एरी विवरणियां भेजेंगा और पासे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी संविधान प्रशान्त करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयकृत, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के मण्ड-ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आविभावी है, होने वाले सभी व्ययों का धून नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्तर्दित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, सब उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की अहं संख्या को भाष्य में उसकी मूल वानों का अन्तर्वाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का गा उक्त अधिनियम के अधीन छट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही में ही सवाल है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के मदस्य के स्पष्ट में उसका नाम तरन्न दर्ज करेगा और उगठी बाबत आवश्यक प्रीमियम भागीय जीवन वीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को जपनद्वय लाभ दिया जाता है तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समीकृत स्वतंत्रता देने के लिये जाने की व्यवस्था करेगा। जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में उपभोक्तु उन्नकन्न हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष है।

7. सामूहिक वीमा स्कीम में किसी बात के होने हा भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु एवं इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस गणि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संरक्षित होती जह वह उक्त स्कीम के अधीन होगा तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निहेंशितों होने प्रतिकूल हो स्पष्ट देने वारियों को अंतर दरवार गणि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक वीमा स्कीम के संदर्भों में कोई भी मंजूरीन मंदिरित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकृत के एवं अन्योदयन ने ठिकान दियी किया जाएगा और जहां किसी गंभोजन से कर्मचारियों के वित एवं प्रतिकूल प्रभाव पहुँचे की मानवता है, तहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकृत अपना अन्योदयन होने से पर्व न्यूर्मचारियों को आपना दृष्टिकोण स्थान बनाने का एकत्रित उद्देश देगा।

9. यदि किसी कारणबाट स्थाना के दर्शकारी भारतीय जीकरन वीमा नियम की उस गाम्भीर्य वीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले उपना चक्री है ताकी नहीं रह जाना है ग इस स्कीम के अधीन न्यूर्मचारियों को प्राप्त होने वाले स्पष्ट किसी नीति से कम हो जाते हैं तो इह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबाट नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन वीमा नियम करें, प्रीमियम का संदाय करने में ब्राफल रहता है और पानिसी को ध्यान नहीं जाने दिया जाता है तो छट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम को मंदाय भें रहने गए किसी व्यक्तिकूम की दशा में उन मृत साक्षों के नाम निहेंशितों या विविध वारिसों को जो यदि यह छट न वीर्ग होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीजा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अन्तीम जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निहेंशितों/विविध वारिसों की वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयकृत

सं. 2/1959/डॉ. एन. आहौ. /एक्जाम/89/भाग-1/
2776—जहां भीस सरस्वती इन्डस्ट्रीयल सिंडिकेट नि. रजि. अफिस यमना नगर-135001 जिला अम्बाला (कोड संख्या : पी.एन./224) ने कर्मचारी भविष्य निधि और इकाई उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2 (क) के अन्तर्गत छट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उद्देश अधिनियम कहा जाता है)।

चंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयकृत इस बात में संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई उल्लंघन अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये वित जीवन वीमा के स्पष्ट में भारतीय जीवन वीमा नियम की सामूहिक वीमा स्कीम का नाम उठ रहा है, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निहेपे सहबद्ध वीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्थीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा जाता है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त वाकियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके गाथ संलग्न अनुसन्धान में उल्लिखित छाती के उन्नगार गैं, ही. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिपलनी वारीय में प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की धेनीय भविष्य निधि आगामी फरवरीदाद से स्कीम की धारा 28 (7) से जंहरी नीति प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उद्देश स्कीम से संबंधित की छट देता है। (दिनांक 1-11-86 से 31-10-89 और 1-11-89 से 31-10-92 तक।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (प्री-हस्ताक्षर स्थापना के लिए गया है) समान्वय धेनीय भविष्य निधि आयकृत, जो एसी निविधियों द्वारा उपर्युक्त नियम निरीक्षण के लिए एसी संविधानों प्रदान उद्देश जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयकृत, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक स्कौल की समीक्षा के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के स्पष्ट-के के अधीन सभ्य-समद पर निवैश्व करें।

3. सामूहिक वीमा स्कौल के प्रधानमन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जागा, वीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार इवाग अनुसारे दित सामूहिक वीमा स्कौल के नियमों को एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जावे, तब उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंस्था की भाषा में उसकी मूल्य कानों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का ना उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना या भविष्य निधि का पहले से ही मदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक वीमा स्कौल के सदस्य के स्वप्न में उसका नाम तूरता दर्ज करेगा और उसकी बागत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा नियम को संबंधित करेगा।

6. यदि उक्त स्कौल के लाभीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कौल के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाभों में समूचित स्वप्न में दर्दित किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कौल के अधीन उपलब्ध नाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कौल के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक वीमा स्कौल में किसी वात के होने हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कौल के अधीन संदेश राशि उग्र राशि से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संबंधित होती जब वह उक्त स्कौल के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निदेशियों को प्रतिकर के स्वप्न में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक वीमा स्कौल के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के दिन नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभवता हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निक्षिक आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को ३ पन्ना इप्टिडेण्ट स०६८ करने का युक्तिवृत्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कानूनवाला स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा नियम की उस सामूहिक वीमा स्कौल के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कौल के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले नाम किसी रीति में लम्हे हों जाते हैं तो रह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कानूनवाला नियत शारीर के भीतर जो भारतीय जीवन वीमा नियम नियत करें, प्रीमियम का संबंध करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवहर हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक स्वारा प्रीमियम के संबंध में किये गये किसी व्यापक की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदेशियों या विधिक वारिसों को जो यदि वह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कौल के अन्तर्गत होते, वीमा नाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कौल के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निदेशियों/विधिक वारिसों की वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

वी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. २/१९५९/डी. एल. आई/एन्जम/८९/भाग-१/२७४—जबू अनुसूची-१ में उल्लिखित नियोजनाओं ते (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारण उपलब्ध अधिनियम, १९५२ (१९५२ का १९) की धारा १७ को उप-धारा २(क) के अनुरूप छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

कृपाकृपा मैं, वी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त हस्त द्वारा संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये विना जीवन वीमा के स्वप्न में भारतीय जीवन वीमा नियम की सामूहिक वीमा स्कौल का नाम उठा रहे हैं, जाकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षिप्त सहबद्ध वीमा स्कौल, १९७६ के अन्तर्गत स्वीकार्य नाभों में अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें हस्ते पश्चात् स्कौल कहा रखा है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा १७ को उपधारा २(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए नाथ मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिकारी वीमा गंतव्य संधारित यों जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तभा संलग्न अनुसूची-२ में निर्धारित शर्तों के रहने हुए मैं, वी. एन. सोम, उक्त स्कौल के सभी उपलब्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और ३ वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-१ में उसके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-I

क्रमांक	स्थापना का नाम और पता संख्या	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के तिथि	पहले से भारत सरकार की अधिसूचना की संख्या तथा तिथि	अधिकारियों के प्रदान का गई छूट की समाप्ति की तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल संख्या
1	2	3	4	5	6	7
1.	मैसर्स एक्सल ग्राफिक्स (प्रा०) सि०, एक्सल प्लॉटर, पो०आ० बाक्स सं० 18 बलमाड-396001	जी०जे०/ 6138	2/1959/डी० एल०आई०/ एक्जम/89/ भाग-1 दिनांक 4-4-91	31-1-91 एस-35014/ 452/82/पी० एफ०/11 (एस०एस० II दिनांक 21-4-86	01-02-91 मे 31-01-94	2/3394/91- डी०एल०आई०
2.	मैसर्स डिग विजय सीमेंट कं० लि०, जी०जे०/ पो०आ०, डिग विजय नगर, अहमदाबाद-382470	जी०जे०/ 3951	एस-35014/ 452/82/पी० एफ०/11 (एस०एस० II दिनांक 21-4-86	11-2-89 मे 11-02-92	12-02-89	2/836/82- डी०एल०आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) (संबंधित अधीनीय भविष्य निधि आयुक्त, को एप्सी विवरणियां भेजेगा और एसे लंबा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुदृढिकार प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-के के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशारण में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक स्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा रकीम के नियमों की एक प्रति और ज्येष्ठी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति रुद्ध कर्मचारियों की बहुत संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बाहों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापना की भविष्य निधि का पहले में ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के स्वयं में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाम बदल जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम में अधीनीय कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में समूचित स्वयं से विद्युत किए जाने

की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम के किसी बात के हांते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वार्षिक/नाम निर्देशिनों को प्रतिकर के स्वयं में दोनों गणितों के अंतर ब्रावोर गणि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त रो पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर ग्रातिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति में कम हों जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियंत्रण तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियंत्रण करें, श्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवस्था हो जाते दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा श्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिकर्म की दशा में उन सभी सदस्यों के नाम निर्देशितों या विविध वार्षिकों को जो यदि यह छूट न दो गई होती तो उक्त स्कीम के अनुर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधार्य नियोजक पर होता।

दी. एन. सोया
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/2792—जहाँ मैसर्स भारत अपारन एण्ड ब्रास फाउण्डरी नरायण गढ़ रोड, अम्बाला सिटी-134007 (हरियाणा) (कोड न. पी. एन./2274) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवदन किया है) जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

कूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशादान या प्रीमियम की अवायगी किये विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निष्पेस सहवद्वय बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नथा इसके साथ संलग्न अनुमूलीय में उल्लिखित शर्तों के अनुमान मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछले नारीकूल से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की अंतर्गत भविष्य निधि आयुक्त फरीदाबाद ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत दील प्रशान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से मंचानन की छूट देता है । विनाक 1-12-88 से 30-11-91 तक) ।

अनुमूलीकूली—

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) (संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निर्देश आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी संविधान प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, गमय-समय पर निर्विट करें ।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक साथ जीवन स्थानित के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्वेश करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अंतरण द्विरीक्षण प्रभार का संदाय अवैध भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति लेखा कर्मचारियों की वह संस्था की भाला में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के मूल्य पर प्रवर्शित करेगा ।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी थी-पना की भविष्य निधि का पहले से ही यद्यस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम दरनन दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भागीदार जीवन बीमा निगम को मंदत करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नाम देखा जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-

चारियों की उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वाराइ/नाम निर्देशितों का प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमान के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमान देने से पूर्व कर्मचारियों के अनुमान दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देंगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों का प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो वह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों का प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो वह रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिक्रम की बाधा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक बारिसों को जो यदि वह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधिकृत नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हृद्वारा गम निर्देशितों/विधिक बारिसों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक गाह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

मं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/2688—जहाँ अनुमूलीकूली-1 में उल्लिखित नियोजित शर्तों ने (जिसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए अवेदन किया है (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

कृंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस नाम से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशादान या प्रीमियम की अवायगी किए विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहा है, जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी विधिक सम्बन्धित बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) व्यावरा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार में, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित

प्रछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रवान की है, 28-2-90 तक की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता है।

अनुसूची—1

क्रमांक	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल संख्या
1.	मैसर्स शांति साल आदर्स, सी-१९, हैंडस्ट्रियल एस्टेट २२, गोवाम, जयपुर	आर०जे०/२६१५	०१-०४-८९ से ३१-०३-९२	२/४३३९/९२/- डी०एल०आई०
2.	मै० मुरेन्द्रा त्पिनिंग मिल्स हैंडस्ट्रियल एस्ट्रिया, मीलवाडा, जयपुर	आर०जे०/२७८२	०१-१०-८९ से ३०-०९-९२	२/४३३१/९२/-
3.	मै० बी० टी० सूटिंग्स प्रा० लि०, गांधीनगर मीलवाडा, जयपुर	आर० जे०/५०२५	०१-०४-८९ से ३१-०३-९२	२/४३३२/९२/- डी०एल०आई०

अनुसूची—II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) (संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसी लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रवान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करना जो व्यक्तिगत सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के अन्तर्क के अधीन समय-समय पर निवेश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेहाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तृत किया जाता, बीमा प्रीमियम का रांदाय लेहाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यक्तियों का वहन नियोजक व्यावरा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार व्यावरा अनुसारित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहन-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य वाताओं का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सम्बन्ध है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के मद्दस्य के रूप में उसका नाम तरन्त बर्ज करेगा और उसकी बावत आयुक्त प्रीमियम भाग-तीय जीवन बीमा नियम के संबंध करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उगलवा लाभ द्वाएं जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा रकीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से विदीक्षित किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी दात के होने हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिश/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के बन्दर बरादर राशि के संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्फोर के उपयन्त्रों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की भवितव्य हो जाएगी तो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना ईष्टकोण स्पष्ट करने का योक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी आयुक्त व्यावरा स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उन सामूहिक बीमा रकीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अपनी नहीं रह जाता है या इस रकीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रीसं से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी काल्पनिक नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय बीमा नियम नियन्त्र करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और एलिंसी का व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक इवारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिकाम को दबाने से उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों में विविध वारिसों के जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के मंदाय का उत्तराधार्य नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विविध वारिसों की बीमाकृत गाँश प्रत्यक्ष होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

म. 2/1959/डी. एन. आई./एक्जम/89/भाग-1/2606—उहूँ अनुसूची-1 में उल्लिखित सिवोक्तनाओं के (जिसे इसके पश्चात उक्त स्थापना करना चाहा गया था) कर्मचारी भविष्य तिथि और प्रकारीय उत्तर्वच जधिन्यम, 1952 का 19) की भारा 17 रुपी उपायम 2(क) के अनुरूप छूट के लिए आदेश दिया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

धंकि मैं, श्री. एन. सोम, केन्द्रिय भविष्य तिथि आयोग इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोइस अलग अंशदात या ग्रीष्मियम की अदायगी किए बित्ता जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामर्थिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि एंसे कर्मचारियों के

लिए कर्मचारी निधेंग सहबद्ध भीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुदान है (जिसे इसमें इसके पश्चात राज्यम कहा गया है)।

इस उक्त अधिनियम की भारा 17 रुपी उपायम 2 (क) द्वारा उद्दत्त इविर्गों का प्रयोग करते हुए तथा इम संचालन अवधि सरकार/केन्द्रीय भविष्य तिथि आयोग की अधिभूचना संसद तथा तिथि जो इत्येक स्थापना के नाम के गामने दर्शायी गई है, वे अनुभारण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित इर्गों के रहते हुए मैं, श्री. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उत्तर्वचों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना का और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची—1

क्र० सं० स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने पहले से प्रदान अवधि जिसके के ० भ० नि० आ०	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने पहले से प्रदान अवधि जिसके के ० भ० नि० आ०	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने पहले से प्रदान अवधि जिसके के ० भ० नि० आ०
1	2	3	4	5	6	7
1. मैसर्स मोटर इंडस्ट्रीज कम्पनी, हसुर रोड, अदुगुडी, बंगलौर-30	के०एन०/ 120	एस-35014/ 95/85-एस० एस-II (एस०-एस०-II) दिनांक 29-2-88	17-5-91	18-05-91 से 17-05-94	2/191/88-डी०एल०आई०	
2. मैसर्स प्रकाश बिडीज लिमिटेड, कोडीयलबेल, मैगलौर	के०एन०/ 2015	एस-35014/ 38/87-एस० एस-II, दिनांक 1-5-87	30-4-90	01-05-90 से 30-04-93	2/1553/86-डी०एल०आई०	
3. मैसर्स महाराष्ट्र अपैक्स कार-पोरेशन, पो०बा० नं० 38, मनिपाल-576119 (के०एम०)	के०एन०/ 4470	2/1959/डी० एल०आई०/ एक्जम/89/ भाग-1, दिनांक 21-2-90	20-8-91	21-08-91 से 20-08-94	2/1247/85-डी०एल०आई०	
4. मैसर्स लेमबार्ड मेमोरियल हास्पीट्स उद्दीपी-576101	के०एन०/ 4759	एस-35014/ 98/87-एस० एस-II, दिनांक 14-9-87	13-9-90	14-09-90 से 13-09-93	2/1552/86-डी०एल०आई०	
5. मैसर्स कैनारा स्टील लिं०, बैकमपाडी, मैगलौर-575011	के०एन०/ 6150	एस-35014/ 125/87/एस० एस०-II, दिनांक 13-11-87	12-11-90	13-11-90 से 12-11-93	2/1680/ 87-डी०एल०आई०	
6. मैसर्स आनन्दा टैबैको प्रोडक्ट्स, एन० जी० रोड, कडीयावाली, मैगलौर-575003	के०एन०/ 6638	एस-35014/ 57/87/एस० एस०-II, दिनांक 25-5-87	24-5-90	25-05-90 से 24-05-93	2/1557/86-डी०एल०आई०	
7. मैसर्स इण्डस्ट्रियल फ्रेंड्स एंड डिवलपमेंट सिक्किम लिं०, मनीपाल	के०एन०/ 6966	2/1959/डी० एल०आई०/ एक्जम/89/ भाग-1, दिनांक 21-2-90	20-8-91	21-08-91 से 20-08-94	2/1208/85-डी०एल०आई०	

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक बहु यदा है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियाँ भेजेगा और एसे लेहा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के लिए प्रदूष पर पर्दीशत करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्चित रूप से विद्युत किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी दात के होते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन गंदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दाता में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक दर्शकारी के विधिक वारिस/नाम भिर्देशियों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पर्व अनुसोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन में कर्मचारियों के लिए एसे प्रतिकर विभाव पड़ते की संशोधन हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुसोदन देने से पर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिशक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणक्षण स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रीत से कम हो जाते हैं तो वह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणक्षण नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निर्म विधित करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवगत हो जाने दिए जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गये किसी व्यक्तिकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिशों के जो यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पद होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी रद्दित की मृत्यु होने पर उसे हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिशों की बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक साह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/
2704—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हए तथा शम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसचना संस्था तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना की और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उसके नाम के सामने दर्शाया गया है।

ननम् नी—।

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड मं०	स्थापना को छूट बढ़ाने पहले से प्रदान के लिए भारत सरकार की गई छूट के अधिकृतना की की समाप्ति संख्या तथा तिथि	अवधि जिसके लिए आरॉयर छूट दी गई है की तिथि	के ० भ० नि० आ० फाउल संख्या
1.	मैसर्स उत्तरवंगा भैक्षीय ग्रामीण बैक बगचैन रोड, डाकखाना व जिला कूच बिहार, वेस्ट बंगाल तथा इमकी 11 शाखाएं जो इमी कॉड मं० में स्थित हैं।	प० बै०/ 16506	2/1959/डी० एल०आई०/ एकजम/८९— भाग—I, दिनांक 21-3-90	५-३-९० से ०५-०३-९३	२/1006/84- डी०एल०आई०
2.	मैसर्स शा बैलेस एण्ड क० लि०, हाईड रोड, किंडरपुर, कलकत्ता—700043	प० बै०/ 1105	एस—35014/ ६७/८४-एफ० पी०जी०/एस० एस०-II, दिनांक 15-1-88	१०-८-९० मे ११-०८-९० १०-०८-९३	२/537/81- डी०एल०आई०
3.	मैसर्स हिन्दुस्तान लीवर लि०, ६३, गार्डन रिच रोड, कलकत्ता—700024 तथा इमकी शाखाएं जो इमी कॉड नं० में स्थित हैं	प० बै०/ 1927 प० बै०/ 1198 प० बै०/ 682	2/1959/डी० एल०आई०/ एकजम/८९— भाग I, दिनांक 11-7-91	२५-१२-९१ से २५-१२-९४	२/688/82- डी०एल०आई०

अनुसूची-।।

1. उक्त स्थापना को सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि वायुक्ति, को एसी विवरणियों भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के नियन्त्रक के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत संसाधों का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, वीमा श्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी धारणों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक परिवर्तन और वह कभी उसमें गंभीर अद्यता दिया जाए, तब उस संशोधन की प्रति जाए। कर्मचारियों को दहुंहाना की भाला में उगानी भव्य वातों का अनुदाद स्थापना के मुद्दा पट्ट एवं प्रदिशिक दर्जेगा।

5. एटिं कोर्स पैसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में

नियोजित किया जाता है सो, नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा नियम को मंदस करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ दियाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित स्था भे यदिधि किये जाने की वावस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन उत्तराधीन लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकैय है।

7. सामूहिक वीमा स्कीम में किसी वाल के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वश में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विभिन्न वारिस/नाम नियमीशानों को प्रतिकर के रूप में दर्जे गयी हों अत्यावार राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक वीमा स्कीम के उत्तराधीन में कोई भी गंभीर ग्राहिता क्षेत्रीय भविष्य निधि नामका ने पर्व अनुमोदन के बिना नहीं दिया जाएगा और जहाँ किसी गंभीर ग्राहिता के द्वितीय पर प्रतिकृति प्रभाव पहने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयवन जाना अनुमोदन दर्जे से पूर्व लार्मचारियों दो अपना ईश्वरीय स्पष्ट करने का वृक्षिक्षयक्त अवसर देंगा।

9. यदि किसी कारणक्षण स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन दीमा नियम की उस सामूहिक दीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चूँकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी शीर्ति से कम हो जाने हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणक्षण नियोजक उस नियम तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन दीमा नियम नियम भरत, प्रीमियम का संदर्भ करने में असफल रहता है और पानिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदर्भ में किए गए किसी व्यापक क्रम को देश में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छाट न दी गई होती हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, दीमा तामों के संदर्भ का उत्तरदातित नियोजक पर होता।

दी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य नियम आयोजक

सं. 2/1959/डी. एन. आई./एक्जाम/89/भाग-1/
2712—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना का गया है) कर्मचारी

भविष्य नियम और प्रक्रीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसने इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, डी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य नियम आयोजक इस वात से संसृष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई लाभ अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए जिन दीमा स्कीम के रूप में भारतीय जीवन दीमा नियम की सामूहिक दीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोप सहबद्ध दीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य नामों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवत्त विकारियों का प्रयोग करते हुए संथा इसके साथ संस्करण अनुसूची-II में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, डी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-I में) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस विधि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य नियम आयुक्त राजस्थान ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत हील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संबंधित की छाट देता हूँ।

अनुसूची—I

क्र० संख्या स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल संख्या
1. मै० अरनेस्ट गेरीज प्रा० लि०, प-204 205, एम०आई०ए०, उदयपुर	आर०जे०/2906	01-12-88 से 30-11-91	2/3481/91- डी०एल०आई०
2. मै० अम्बर ग्राहिंग मिल्स, 3962, कुन्डीधर, जयपुर	आर०जे०/4490	01-10-89 से 30-09-92	2/3943/92- डी०एल०आई०

अनुसूची

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य नियम आयुक्त, जो एसी विवरणियां भेजेगा और एसे सेवा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य नियम आयुक्त, समर्थ-सम्म एवं निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की मात्रा-ए के 15 दिन के भीतर संदर्भ तरेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम द्वारा धारा (3-क) द्वारा व्याप्त-के अन्तर्गत समर्थ-सम्म एवं निर्विष्ट करें।

3. नामहिन दीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखांशों का रखा जाना, विवरणियों का वरन्नन किया जाना, दीमा प्रीमियम का संदर्भ लेखांशों का अन्तर्गत, निरीक्षण प्रभारी का संदर्भ आदि थी है, होने वाले इसी व्यापों का वरन्नन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक दीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के स्वच्छ पट्ट पर प्रदर्शित करेंगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य नियम का था उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य नियम के पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक दीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्षा दर्ज करेगा और उसकी वावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन दीमा नियम को संबन्धित करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक दीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध नामों में समृद्धित रूप से वृद्धि किए जाने

की व्यवस्था करेगा, जिससे विकार्यालियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञिय है ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंधित राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस बात में संबंधित होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में व्यापारी राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदर्भ करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हुत पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों के अपना दृष्टिकोण समष्टि करने का शुक्रियालूक अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणबात स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले नाम किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणबात नियोजक उस नियत तारीख के अन्तर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करते, विभिन्न व्यापक का संदर्भ करने में वसफल रहता है और पालिसी को व्यवस्था हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा राकती है ।

11. नियोजक द्वारा विभिन्न के संदर्भ में किए गए किसी व्यापक की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिशों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदर्भ का उत्तरवाचिक नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसे हक्कार नाम निर्देशित विधिक वारिशों को बीमालूक राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकाजम/89/भाग-1/
2720—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चौक ग-, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी को इस अलग अंशबान या श्रीमियम की अवायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का नाम उठा रहे हैं, जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-11 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, ग्रन्थक उक्त स्थापना के प्रत्येक के सामने (अनुसूची-2) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि रो उक्त स्थापना का क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गुजरात ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत लौल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संबंधित की छूट देता हूँ ।

अनुसूची—1

क्र० सं० स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	क्र० भ० नियमों का संख्या
1. मैसर्सं चिराग एण्ड कम्पनी, 20, विटाल उद्योग नगर, वल्लभ विद्या नगर	जी०जे०/4565-ई	01-05-89 से 30-04-92	2/4065/42; डी०एल०आई०
2. मैसर्सं यूनीक इण्डस्ट्रीज, पिल्ले-387355, वाईय-नीडीयड	जी०जे०/4541	01-11-89 31-10-92	2/4066/92- डी०एल०आई०
3. मैसर्सं जयवरा कुमार हीरालाल खारा वाला प्रा० लि०, ज्वाट नं० 10, फेज-2, जी०आई० डी०सी० वतवा, अहमदाबाद	जी०जे०/015803	01-10-88 से 30-09-91	2/4067/92- डी०एल०आई०

1	2	3	4	5
4. मैसर्स अजय कंमिकल इण्डस्ट्रीज लाल नं० 145, जी०आई० डी० सी० यापी, जिला-बलाहू	जी०जे०/9727	01-10-90 म 30-09-93	2/4068/91- डी०एल०आई०	
5. मैसर्स जयनू फैब्रिक्स हीरा लाल कालोनी, ए०के० रोड, सूरत	जी०जे०/4172	01-05-91 म 30-04-94	2/4069/92- डी०एल०आई०	
6. मैसर्स हीरालाल इण्डस्ट्रीज हीरालाल कालोनी, ए०के० रोड, सूरत	जी०जे०/4197	01-05-91 म 30-04-94	2/4070/92- डी०एल०आई०	
7. मैसर्स मेहता उद्योग, सो-1, बी-2, जी०आई०डी०सी० एस्टेट, माडुन बेकरी रोड, नरेडा, अहमदाबाद-382330	जी०जे०/14755	01-12-89 म 30-11-92	2/4071/92- डी०एल०आई०	
8. मैसर्स उरवी टाइस्टिंग एण्ड कॉनिंग वर्क्स, हीरालाल कालोनी, ए०के० रोड, सूरत	जी०जे०/2678-७	01-05-91 म 30-04-94	2/4072/92- डी०एल०आई०	
9. मैसर्स हैंडोर्टेक्स मशीनरी वर्क्स, 351/2, जी०आई०डी०सी० ओधव, अहमदाबाद	जी०जे०/11268	01-01-89 म 31-12-91	2/4073/92- डी०एल०आई०	
10. मैसर्स टोप-ओ-लास्ट, 292, जी०आई०डी०सी० एस्टेट, मकरपुरा, बड़ोदा-10	जी०जे०/7033	01-05-90 म 30-04-93	2/4074/92- डी०एल०आई०	
11. मैसर्स आकार प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज 292, जी० आई० डी०सी० एस्टेट, मकरपुरा, बड़ोदा-390010	जी०जे०/16052	01-05-90 म 30-04-93	2/4075/92- डी०एल०आई०	

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिस इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एंसो विवरणियाँ भेजेगा और एंसो लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसो सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समा-समीक्षा एवं विवरण करें।

2. नियोजक, एंसो निरीक्षण प्रभारी को प्रन्थक माम की समार्पण के 15 दिन के भीतर रांदाय लगाएगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियाँ का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब केवी उनमें संशोधन किया जायें, तब उस संशोधन को एक प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भावा में उसको मुख्य बाहों का अनुदाय स्थापना के मूल्य पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एंसो कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का उद्देश्य अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी शाखा आपूर्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को सदस्य करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित स्वप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के निए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जा उक्त स्कीम के अधीन अनुशय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी धारा के हात हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ रांश से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता था, नियोजक कर्मचारी के विधिक वार्तारा/नाम निर्दर्शनों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर व्यापक रांश का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और लहाने किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्थित करने का योक्ता-यूक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारण वश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन नीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले उपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है तो इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी त्रैति से कम हो जाते हैं तो वह रद्द को जा सकती है।

10. यदि किसी कारण वश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन नीमा नियम की उस नियत तारोक के भीतर जा भारतीय जीवन द्वीपा नियम के, प्रीमियम का गंदाय करने में असफल रहता है और जालसी के व्यवस्था द्वारा दिया जाता है में छूट रद्द की जा गकी है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के गंदाय में किए गए किसी अधिकारी की दस्ता में उन भूत गवर्नरों के नाम निर्देशितों या विशिष्ट दारिद्रों को जो शब्द यह छाउ ग दी गई होती तो उक्स स्कीम के अंतर्गत होते, दीमा लाभों के संदाय का उनरक्षायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक ईस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसे इकादश नाम निर्देशितों/विधिक नामों को दीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर मुद्रित्वत करेगा।

श्री एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयकर

गं. 2/1959/डी. पल. आहू./एक्जाम/89/भाग-1/
2728—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीया उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपचारा 2 (क) के अंतर्गत छाउ के

लिए आयोद्दन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

कृकि मं. बी. पल. राम. केन्द्रीय भविष्य निधि आयकर इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अपग्रेड अवादान या प्रीमियम की व्यवस्था नियंत्रित नहीं दीमा स्कीम के स्पष्ट भारतीय जीवन दीमा विषय की आमूलिक दीमा स्कीम का नाम उठा रहे हैं, जो कि पांच कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप मद्दत दीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अभिक्रिया अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपचारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हाएँ तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-1 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मं. बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिम्मे तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकर बम्बई ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत ढीन प्रक्रान्त की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छाउ देता है।

अनुसूची—1

क० संख्या	स्थापना का नाम और पता	कोड मर्या	मृदं वा प्रभावी तिथि	क० भ० नि० आ० फाइल संख्या
1. म० कौतुक बिल्डिंग्स लि० ४६/१२, अपोरी, कुरुक्षेत्र, मार्गन नाका, बम्बई-५९		महा०/७३६	०१-०२-८९ व ३१-०१-९०	२/११९४/९२- डी०एल०आई०
2. म० अजनता लाइन्स प्रा० सीमेंट हॉस्ट्रीज (प्रा०) विन, ८४८र्ट्रीयल पार्क्या, नजदीक रेलवे स्टेशन, ओण्गाद्वाद-४३१००५		महा०/१३३१९	०१-१०-८० व ३०-०९-९२	२/४१९५/९१- डी०एस०आई०
3. म० बम्बई लैन्ड आप० कामर्स एण्ड हॉस्ट्रीज मेकनेन मोकन नी विलिंग ब्लाउ एस्टेट, पो०बा० सं० ४७३, बम्बई-१		महा०/१४७०७	०१-०२-९१ व ३१-०१-९४	२/४१९६/९२- डी०एल०आई०
4. म० ओरियन्टल अरोमांटिक्स माइन, द्रामबे रोड, चेम्बूर, गोवाडी, बम्बई-४४		महा०/१७४०३	०१-०२-९० व ३१-०१-९३	२/४१९७/९२- डी० ए०आई०
5. म० इंडियन कर्मसायल क० लि०, ७-जे, टाटा रोड, ओरियन्टल हाउस, बम्बई-४०००२० (नथा इसकी सभी शाखाएं)		महा०/४३०४	०१-०२-९० व ३१-०१-९३	२/४१९८/९२- डी०एल०आई०
6. म० लाइका बैंक विन, ७७, नेहरू रोड, वीने पारले (४०) बम्बई-९९ तथा इसकी सभी शाखाएं		महा०/४८१३	०१-११-८९ व ३१-१०-९१	२/४१९९/९२- डी० ए०आई०
7. म० वॉनाफाइड एक्सपोर्ट्स पटवा चम्बर्स, मजिद स्टेशन के सामने, दाना बम्बई, बम्बई-४०००१९		महा०/२३३५९	०१-०२-९१ व ३१-०१-९४	२/४२००/९२- डी०एस०आई०

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित धोत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेख रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सूचियाएं प्रशान्त करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यंक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के लिए के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत संखाओं का रक्खा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतर्णाल निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, हाँने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु संस्था की भाषण में उसकी मूल्य सातों का अनुबाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सबस्य है, उसदोनों स्थापना में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के स्वरूप के रूप में उसका नाम तुरत्स दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संबंध करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ दिये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समूचित रूप से वृद्धिभ किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए गामू-हिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल है।

7. सामूकी बीमा स्कीम में किसी बात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संबंध राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूकी बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन में कर्मचारियों के

हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़न की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिसंगत जवाब देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीत से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करें, श्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के रक्षाय में किए गए किसी व्यापिकम को द्वारा में उन मृत संस्थाओं के भाग निर्देशितों द्वा विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती हो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरवायित नियोजक पर होगा।

की. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्ज़े. 89/भा-1/
2736—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारी उपलब्ध अधिनियम, 1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवाधियां किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहा है, ताकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निष्क्रिय सहबृद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रवत्त विक्षियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-1। में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना के प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त बड़दा ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत दीन ग्राहन की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता है।

अनुसूची—1

प्रा० संख्या	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल संख्या
1.	मैसर्स सुनेमानी कोप बैंकिंग सोसाइटी लिमिटेड, रसुलखान पठान रोड, भोगलवाड़ा, बड़ीदरा—17	जी०जे०/11952	01-01-92 से 31-12-94	2/4115/92- डी०एल०आई०
2.	मैसर्स बड़ीदा फेरो एलोज एण्ड वैंडस्ट्रीज लि०, 429, पाराडाईज के सामने कालेज, सायाजीगंज बड़ीदा—390005 (साथ में सभी शाखाएं जो इस कोड में स्थित हैं)	जी०जे०/20175	01-01-92 से 31-12-94	2/4116/92- डी०एल०आई०
3.	मैसर्स जीवन प्रोडक्ट्स जी०पी० इण्डस्ट्रियल एस्टेट, पोस्ट आफिस छानी—391740 (साथ में नभी शाखाएं जो इस कोड में स्थित हैं)	जी०जे०/5277	01-10-91 से 30-09-94	2/4117/92- डी०एल०आई०
4.	मैसर्स जय श्री इंसुलेटर्स मेधासर (हलोल) पंचा महल (गुजरात) (साथ में सभी शाखाएं जो इस कोड में स्थित हैं)	मेजी०जे०/4072-ए	01-01-92 से 31-12-94	2/4118/92- डी०एल०आई०
5.	मैसर्स स्टेलाइट आटो इंडस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड, ए-1, 435, जी०आई० डी० सी० इण्डस्ट्रियल एस्टेट, मक्रपुरा, बड़ीदा—390010	जी०जे०/225	01-05-90 से 30-4-93	2/4119/92- डी०एल०आई०

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी विवरणियां भेजेगा और एसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-भवय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय रखेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की भाग (3-क) के लाभ-के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जासा, वीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, हाने लाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की एक प्रति सभा कर्मचारियों द्वारा बहु संख्या की भाषा में उसकी मुख्य दातों का अनुबाद स्थापना के मूल्य पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का गा उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापना के भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा नियम को सदस्य करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभों में सम्बूचित रूप से वृद्धि किये जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक वीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निवारिताओं को प्रतिकर के रूप में दानों गणियों के अंतर बराबर गणि का मंदाय करेगा।

8. सामूहिक वीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन दाने से पूर्व कर्मचारियों के अपना दीनिकांक स्पष्ट करने का योग्यतयस्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा नियम की उस सामूहिक वीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना लिया है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीत से कम हों जाते हैं तो इह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम लाइसेंस के भीतर जो भारतीय जीवन वीमा नियम नियम करें, श्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवहार हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा श्रीमित्र के संवाद में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक नारियों को जो शिवि गृह छूट न ही भई होती तो उक्त स्कोर के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के सदाच का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसे इक्वार नाम निर्वाचितों/विधिक नारियों को शीघ्रकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेंगा ।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयव्यवस्था

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्साम/89/भाग-1/
2744—जहाँ भैसर्भ अमृतोजन लिमिटेड, मायनपोर मद्रास-4
(क्रोड नं. टी. पर. /853) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकरीण उपलब्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उपर्युक्त अधिनियम कहा गया है)।

थूकि मैं, बी. एन. राम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयव्यवस्था से संबंध हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशवाद या श्रीमित्र की अदाए गी किये बिना जीवन बीमा के स्वरूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा रक्कीम का लाभ उठा रहे हैं, ताकि एस. कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके उपर्युक्त स्कीम कहा गया है)।

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त विवरणों का प्रतीप करते हाएँ तथा इसके भाव संलग्न अनुसूची गे— उल्लिखित शर्तों के अनुसार गे, तो एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिण्डी लारोड से प्रस्तावी जिम्म तिथि से उक्त स्थापना को थेवीय भविष्य निधि आयव्यवस्था मद्रास ने स्कोर धारा 28(7) के अन्तर्गत फील इकान की है, 3 लर्ड की अवधि के लिए उक्त स्कीम से गंभीरता की छूट देता है। (दिनांक 1-11-86 से 31-10-89 तक 1-11-89 से 31-10-92) ।

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयव्यवस्था को एसी निवारणियों भेजेगा और एसे देशों रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाओं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयव्यवस्था, संघर्ष-यात्रा पर निर्दिष्ट करें ।

2. नियोजक, एसी नियोजक इसी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन तक रेलवे संशय नुस्खे जो केन्द्रीय संग्रहालय उक्त अधिनियम की धारा (3-5) के अधीन गमय-ममत पर निर्देश करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत देशों का रखा जाना, विवरणियों द्वा प्रस्तुत किया जाना, बीमा श्रीमित्र का भंवाय; सेवाओं का अंतरण नियोजित प्रभार का संदाय आवधि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की प्रति श्रीर जव कमी उसमें भंवाय किया जाए, तब उस भंवाय को प्रति नाम कर्मचारियों की बहुभंवाय की भाषा में उसकी मार्पण दाता का अन्याद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रवर्णित करेगा ।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट शाल किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको शामा में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्षा दर्ज करेगा और उसकी दायत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संहिता करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजित सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्मिलित रूप में वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सम्मिलित होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिश/नाम निवारणियों को प्रतिकर के रूप में दातों गणियों के अन्तर ब्रगवर गणि का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी नंशोभन सम्बन्धित थेवीय भविष्य निधि आयव्यवस्था के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी स्थापना में लूप्सचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रयोग पड़ने की रोमायना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयव्यवस्था अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना शैष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तिग्रवण अधिकार दरेगा ।

9. यदि किसी काण्डाया स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं है जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रैरीत में कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी काण्डाया स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम के उस स्थापना के नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम के संदाय करने में असफल रहता है और एसिलसी के व्यापक हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम ये भंदाय में किसी गणे किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक द्वारियों को यदि यह छूट की गई है तो उक्त रक्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के भंदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी रद्द की मृत्यु होने पर उसे हुक्मादार नाम निवारणियों/विधिक वारिशों की शीघ्रकृत राशि प्राप्त होने के एक साथ के भीतर गणित्व करेगा ।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयव्यवस्था

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-I/2752—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकाओं ने (जिन्हें इसमें इनके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया) कर्मचारी भविष्य निधि और है इयोर्ड उद्देश्य अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 को उद्धारा 2(क) के द्वारा इनके पश्चात् स्थापना की धर्मानुष्ठान कहा गया है)।

चूंकि मैं, वी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात में गतिष्ठ हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी वैदेह अन्य अंदाजान या प्रीमियम की अवायवी किए बिना जीवन वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा नियम की सामूहिक वीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, ताकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोज

सहबद्ध वीमा स्कीम, 1976 को अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

उस: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) सुधारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा शम मन्त्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना में स्थापना की अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-II में निर्धारित शक्ति के रहते हुए मैं, वी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों वह संचालन में इसके उक्त स्थानकों को और 3 इर्द की अवधि के लिए छह वर्ष प्रदान करता हूँ, जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची—1

क्रमांक	स्थापना का नाम और पता	कोड में०	स्थापना की छूट बढ़ाने पहले से प्रकाशन अवधि जिसके लिए भारत सरकार की गई छूट लिए श्रीर छूट के अधिसूचना की संख्या की समाप्ति दी गई है तथा तिथि	को० भ० ति० आ०		
1	2	3	4	5	6	7
1	मैसर्स बाटातार इम्पिलाइज कोप० सोसाइटी लि०, बाटाता-नगर जिला, 24, पश्चिम बंगाल	डब्ल्यू००३०/१३१४४	2/1959/डी० १३१४४ एल०आई०/ एकजम/८९-पार्ट, दिनांक १०-१-९०	३१-१२-९१	०१-०१-९२ से ३१-१२-९४	२/२३७८/९०-डी०एल०आई०
2.	मैसर्स अटर्जी हंजीनियरिंग कं०, श्री गणेश बुजीन सेंटर, 216, ए०१०१०१०१०, बोम रोड, फ्लैट मं० 2, पे०, कलकत्ता-७०००१७	डब्ल्यू००३०/१५७६०	2/1959/डी० १५७६० एल०आई०/ एकजम/८९/भाग-I, दिनांक ३-९-९१	३१-१२-९१	०१-०१-९२ से ३१-१२-९४	२/३७६१/९१-डी०एल०आई०
3.	मैसर्स कंचन मेटल प्रा० लि०, ३८, सठरंड रोड, कलकत्ता-७००००१ (भाथ में इसकी प्राप्ति जो मन्त्रालय में स्थित है)	डब्ल्यू००३०/२५१२८	2/1959/डी० २५१२८ एल०आई०/ एकजम/८९/भाग, दिनांक १७-५-९१	२८-२-९२	२९-०२-९२ से २८-०२-९५	२/३५५१/९१-डी०एल०आई०

अनुसूची—

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेंगा और ऐसे लेखा रखेंगा तथा नियोजक को लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेंगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-भाव पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे नियोजक प्रभागी जो प्रत्यक्ष ग्राम को समर्पित के 15 दिन के भीतर प्रदाय करेंगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-के अधीन समय-भाव पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रक्षा जाता, विवरणियों का प्रस्तॄत किया जाता, दीमा

प्रीमियम का संबाय, लेखाओं का अंतरण, नियोजक प्रभार का संबाय आविधी भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के द्वारा पट्ट पर प्रक्षेपित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के सुदृश्य के

रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यकता प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस बशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक दारिश/नाम निवैशितों को प्रतिक्रिया के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बायबर राशि का संबंध करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों का दण्डना दीष्टकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

Bombay-400 005 The 15th July 1992

No. 3WCA(8)2/92-93—In pursuance of clause (iii) of Regulation 10 (i) of the Chartered Accountants Regulation 1988 it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled from the dates mentioned against their names as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

Sr. No.	M. No.	Name & Address	Dates		
				1	2
				3	4
1.	2021	Shri Percy Bomanji Daruvala, ACA 62 Baktawar Annex Narayan Dhabholkar Road Bombay-400006	1-4-91		
2.	2489	Shri Aras Shishir Govind, ACA E-6 Mutual Colony, Mogul Lane Mahim, Bombay-400016	1-7-92		
3.	3261	Shri Patel Babubhai Chunibhai, FCA Post Box 45391 Nairobi Kenya	4-5-92		

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पद्धति अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रूप से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उम्मि नियत सारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करते, प्रीमियम का संबंध करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यवस्था हो जाता दिया जाता है तो छठ रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संबंध में किए गए किसी व्यापकम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निवैशितों या विधिक दारिशों को जो यदि यह छठ न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संबंध का उत्तराधिकृत नियोजक पर होते।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसे हक्कदार नाम निवैशितों/विधिक दारिशों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक शाह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

1	2	3	4
4.	9485	Shri Munot Nihalchand J. FCA Kalpataru Chambers, I floor 98 Nagindas Master Road, Fort Bombay-400023	16-5-92
5.	16928	Shri Bhansali Milap Raj, FCA Chief Executive—Chemicals, Cyanides & Chemicals Co., 65 Free Press House, N. Point Bombay-400021	13-6-92
6.	35401	Shri Mehta Amit Avani Alias Ratilal, FCA 1st floor, 4 Sethna House 13 Laburnum Road, Gamdevi Bombay-400007	3-7-92
7.	39307	Shri Achutan Kavil Poduvattil Rajan, ACA 72/5 Balmurali Co. Op. Hsg. Soc. Chheda Nagar, Chembur Bombay-400089	9-5-92

1	2	3	4	1	2	3	4
8.	40076	Shri Shah Paresh Mithalal, ACA 1 Mangaldeep Chandanagar Road Vitar-Thana-401303	12-5-92	18.	45694	Shri Zaveri Manish Mafatlal, ACA Block 1, Balganpati Society Eduljee Road, Chavari Thane-1	26-9-92
9.	40422	Shri Desai Mebul Y., ACA Gandhi Niwas, Bajaj Road Vile Parle West Bombay-400056	18-5-92	19.	71181	Shri Gupta Rajeev, FCA Dharmik Bhavan. Fawwara Chowk Gandhibagh Nagpur-440002	25-5-92
10.	40639	Shri Gathani Jiten Shantilal, ACA 6 Sagar, 353/B/19 V.B. Lane Ghatkoper Bombay-400077	10-6-92	20.	200764	Shri S. Sampath, ACA B-34 Vincent Nagar B.P.T. Quarters, B.A. Nath Pai Marg, Kala Chowki Bombay-400033	5-2-92
11.	40643	Shri Iyer Venkataraman Krishnamurthy, ACA B/75 Shreeram Prasad Bhaudaji Road Matunga C.R. Bombay-400019	29-5-92	A.K. MAJUMDAR, Secy.			
12.	40696	Ms. Sawant Geeta Chandrashekhar, ACA A-4/4 Worli Sea S'de Co. Op. Hsg. Soc. Khan Abdul Gasar Khan Road Bombay-400018	8-6-92	—			
13.	42875	Shri Shah Sujal Pravin-chandra, ACA 37 Vasant Kunj Society New Sharda Mandir Road, Paldi Ahmedabad- 380007	16-6-92	No. 3WCA(5) 4/92-93—With reference to the Institute's Notifications 3WCA(4) 11/86-87 dated 31-3-87, 3WCA(4) 12/88-89 dated 23-3-89, 3WCA(4) 15/89-90 dated 20-11-89, 3WCA(4) 18/89-90 dated 20-12-89, 3SCA(4) 8/90-91 dated 1-12-90, 3WCA(4) 8/90-91 dated 2-1-91, 3WCA(4) 11/91-92 dated 27-12-91, 3WCA(4) 12/91-92 dated 20-1-92, 3WCA(4) 16/91-92 dated 20-2-92 it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen.			
14.	43532	Ms. Mascarehans Anneliess Jisela, ACA 13-A Rosary House, Gunpower Road Mazgaon, Bombay-400010	28-4-92	—			
15.	45030	Miss Hattangdy Preeti Gajanan, ACA 13/214 Jiggar Niwas, Opp: Sion Hospital Sion East, Bombay-400022	27-6-92	Sr. No. M. No. Name & Address Dates			
16.	45453	Shri Kolhatkar Adwait Achyut, ACA C/o P.D. Dalal & Co., P.O. Box 52 Dhule-424 001	2-6-92	—			
17.	45631	Shri Madathil Rajesh Ramchandran, ACA 207 Sundaram, Sion Circle Bombay-400022	18-5-92	1.	11632	Shri Sen Amitava, ACA Flat 10, Kailash Kutir Co. Op. Hsg. Soc., Plot 199, Wadala, Bombay-400031.	19-5-92
				2.	24180	Shri Varughese George, ACA 7 LIPO AVE Singapore-2678.	16-6-92

1	2	3	4	1	2	3	4
3.	26699	Shri V. Murlidharan, ACA 14-A, 4th floor, Shivshankar Hagimalam Road Kalyan-421301.	16-6-92	14.	36964	Market, Off. S.V. Road Borivli West Bombay-400092.	
4.	30093	Shri Halbe Sunil Vinayak, ACA Saurastra Cement & Chem. Ind. Ltd. 20th floor, Nariman Point Bombay-400021.	2-6-92	15.	37285	Shri Udeshi Vinay Shivaji, ACA 18 Laxmi Deep, 4th floor, Thakurwadi, Dombivli, Thane.	1-4-92
5.	31615	Shri Ganatra Dilipkumar Madhavji, FCA 58, Islampura Street, Nanubhai Desai Road, Bombay-400004.	3-7-92	16.	39967	Shri Kane Prashant Parshuram, ACA Air India, Finance & Accts. Dept., Santacruz, Bombay-400029.	20-5-92
6.	31994	Shri Venkobarao Sreenivasarao, ACA A/2/32 Ashwin Apts., Mahatma Phule Road, Mulund East Bombay-400081.	13-5-92	17.	41669	Shri Parag A. Pandit, ACA 21 Chhaya Apts., 10th Road Behind UCO Bank, JVPD, Vile Parle (W) Bombay-400049.	4-6-92
7.	32253	Shri Kalyani Ashwin Shantilal, ACA D/3 Kirannagar Staff Qtrs., O/s Shahpur Gate, Ahmedabad-380004.	5-6-92	18.	43328	Shri Phalod Anilkumar Murlidhar, ACA A-14, Neminath Apts., Shimpoli Road, Borivli West, Bombay-400092.	8-4-92
8.	32406	Shri Irani Jehangir Cawas, ACA 3088 The Legeway Mississauga Ontario LSL 4x8 CANADA.	26-6-92	The 29th July, 1992			
9.	32873	Shri Ashwin Dilip Daryanomal, ACA No.: 14 Elsie Femi Pearce Street Victoria Island Lagos.	9-6-92	No. 3WCA(5) 5/92-93—With reference to the Institute's Notifications 3WCA(4) 11/91-92 dated 27-12-91. 3WCA(4) 17/91-92 dated 22-2-92 it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Char- tered Accountants Regulations 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen.			
10.	34815	Shri Soonawalla J.F. ACA Shell Marketing, Box 51038 Mine Al Fahal Sultanate of Oman.	8-6-92	S. No.	M. No.	Name & Address	Dates
11.	35731	Shri Kharbanda Vivek Omprakash, ACA 501 Olympus, Altamount Road Bombay-400026.	13-5-92	1.	5558	Mr. Parikh Prahlad Kantilal, ACA Krishna Niwas, Ganeshwadi Behind Khanderao Market Baroda-390001	22-5-92
12.	36406	Shri N.N. Patel, ACA Nevi Bunglow No. 57, Ranna Park Society Div. No. II, Ghatlodiya Ahmedabad-380061.	27-5-92	2.	19564	Shri Ramamurthi Sundaram, ACA 101-B Vasanth Vihar, Dr. Giawani Marg Chembur, Bombay-400074	22-6-92
13.	36598	Shri Pabari K.V., ACA 401 Vishal I Co. Op. Hsg. Soc. Ltd. 4th floor, Opp: Soni Wadi B/H Garware Super	27-5-92	3.	37289	Shri Raju VSM, ACA Oman International Bank P.O. Box 4216, Ruwi, S. OMAN	15-6-92
				4.	38745	Shri Kapoor Devender Joginder, ACA D-1 Ban Ganga Co. Govandi St. Deonar, Bombay-400088.	29-5-92

A.K. MAJUMDAR, Secy.

Madras-600 034, Dated, the 31st July 1992

(CHARTERED ACCOUNTANT)

No. 3SCA(5)/4/92-93—With reference to this Institute's Notification Nos. 3SCA(4)/12/83-84 dated 31st March 1984, 3CA(4)/10/83-84 dated 31st March 1984, 3SCA(4)/12/89-90 dated 25th October 1989, 3SCA(4)/8/90-91 dated 1st December 1990 and 3SCA(4)/9/91-92 dated 1st January 1992 it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following persons:—

Sr. No.	MRN	Member Name & Address	Rest. Date
1. 004572	Mr. Nagabhushana Rao V., FCA 45-58-16/2 Maruti-Nilayam Narasimha Nagar Visakhapatnam-530 024	2-6-92	
2. 018427	Mr. Sukumar V., ACA, 123, JV Street, Kumaran Colony, Vadapalani, Madras-600 026	8-6-92	
3. 018768	Mr. Srirama K.R., ACA 109 I. Block Rajaji Nagar Bangalore-560 010	28-5-92	
4. 019713	Mr. Raghavan B., FCA, 26, Oliver Road, Mylapore, Madras-600 004	4-5-92	
5. 024713	Mr. Annadurai V., ACA, Finance Manager, M/s Stallion Tyres P. Ltd., P-9, I.D.A., Nacharam, Hyderabad-501 507	17-6-92	
6. 024975	Mr. Narayana Bhat S., ACA, 23-6-92 88, Jeerige Buildings, XI Cross, Malleswaram, Bangalore-560 003	23-6-92	
7. 025787	Mr. Suresh Kumar, L.N., ACA G-13, Fine Home Apartments, Mayur Vihar, Phase 1, New Delhi-110 092	15-6-92	
8. 027045	Ms. Meera Varadarajan, ACA, H-96, ASTC, Housing Colony, Hosur-635 109	22-6-92	
9. 029418	Mr. Bhansali Sanjay, ACA, 33, Ponnurangam Road, (East) R.S. Puram, Coimbatore-641 002	15-6-92	

1	2	3	4
10.	083838	Mr. Raman A.N., ACA, 39/2, Third Street Abhiramapuram, Madras-600 018	2-6-92

A.K. MOJUMDAR, Secy.

The 31st August, 1992

(Chartered Accountants)

No. 3SCA(5)/5/92-93—With reference to this Institute's Notification Nos. 3SCA(4)/9/91-92 dated 1st January 1992, 3SA(4)/8/90-91 dated 1st December 1990 and 3SCA(4)/12/89-90 dated 25th October 1989 it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following persons:—

Sr. No.	MRN	Member Name & Address	Rest. Date
1	2	3	4
1. 001436	Mr. Bhargava Bal Raj, FCA, House No. 266, 15th Main, 5th Cross, R.M.V. Extension, Sadashivnagar, Bangalore-56080	29-6-92	
2. 019690	Mr. Ramamoorthy C., ACA, C/o N. Subramanian, Flat B7, Kala Flats, 28, Rameshwaram Road, T. Nagar, Madras-600 017	26-6-92	
3. 021224	Mr. Maduri Madhu Sudan, ACA, 76, West Mareddpally Road, No. 2, Secunderabad-500 034	1-7-92	
4. 023017	Mr. Selvamani C.T., ACA, No. 1, 38th Street, Thillai Ganga Nagar, Nanganallur, Madras, 600 061	29-6-92	

1	2	3	4
5.	027646	Mr. Sundaram S., ACA 88 Thirumangalam Road, Villiwakkam, Madras-600 049	9-7-92
6.	043755	Mr. Ramesh Gupta, ACA, Grasim Industries Ltd., Grasilence Division, Kumarapatnam-581 123	8-7-92

A.K. MAJUMDAR, Secy.

Kanpur-208 001, the 24th August, 1992

(Chartered Accountants)

No. 3CCA(4)(1)/92/93—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(1)(a) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from Register of Members of this Institute on account of death the name of the following member with effect from the date mentioned against his name.

MRN	Member Name & Address	Canc. Date
071947	Gyan Vinod Varshney 6 Ist Floor Indira Market Railway Road Aligarh-202001.	30-05-92

A.K. MAJUMDAR, Secy.

No. 3CCA(8)(4)/92/93—In pursuance of Regulation 10 (1) (iii) of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members have been cancelled with effect from the dates mentioned against their names as they do not desire to hold the same.

Sr. No.	MRN	Member Name & Address	Canc. Date
1.	017081	Mr. Ravindra Singh Raikwar, FCA 113/194 Swaroop Nagar Kanpur-208 002	12-04-92
2.	033327	Mr. Gyanchand Jain, FCA C/o D2 Super Colony Khaika Lamka Gulabpura-311 021	10-06-92

1	2	3	4
3.	071364	Mr. Ramesh Chandra Saboo, FCA 525 Defence Colony Kamla Nehru Nagar Chopasani Road Jodhpur-324 009	01-04-92
4.	072578	Mr. Sudhir Kumar Shrivastava, ACA Sr. Accounts Officer N.M.D.C. Ltd., Panna Colony Panna-488 001	15-06-92
5.	073358	Mr. Prakash Chandra Kabra, ACA 17/3 South Tukoganj Indore-452 001	25-05-92
6.	074040	Mr. Rajendra Kumar Zabakh, ACA Plot No. 2 Special Ballabh Naga NR. R.P.S. Colony Gumanpur Kota-0	18-05-92
7.	074183	Mr. Anuj Kumar, ACA 10 Edge Wood Drive Rockdway Nj-7866 U.S.A.	21-05-92
8.	074351	Mr. Dhanpal Doshi, ACA 33, Shiv Vilas Palace Rajwada Indore-452 004	25-05-92
9.	074524	Mr. Narendra Kothari, ACA 87 Ajit Colony Jodhpur-0	30-12-91
10.	074741	Mr. Shailesh Kumar Patwa, ACA Jain Street, Sarafa Bazar Jodhpur-342 002	23-03-92
11.	080467	Mr. Vinod Kumar Gupta, FCA 212 New Gandhi Nagar Ghaziabad-0	20-05-92
12.	086193	Mr. Ghanshyam Rathi, FCA G. Rathi & Associates B-37/194 D Burdopur Varanasi-221 010	11-05-92
13.	087486	Mr. Hari Nagrani, ACA M-37 Mahavidhya Nagar Behind Krishan Janam Bhoomi Mathura-281 001	01-07-92

A.K. MAJUMDAR, Secy

INDUSTRIAL FINANCIAL CORPORATION OF INDIA

New Delhi-110001, the 19th August, 1992

Errata to the Notification No. 3/92 published in the Gazette of India,
Part III, Section IV dated the 26th June, 1992.

Sl. No.	Page No.	Para indicator & Line No.	Error	Correct Version
1.	2505	33(1), Line 9	completion	completion
2.	2506	Explanation II, Line	Regulation	Regulation
3.	2506	Explanation III	Sub-Regultion	Sub-Regulation

EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION

New Delhi-110 001, the 1st September 1992

No. E-III/10(20)/91/MH.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub Section (4) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Provident Fund Commissioner hereby rescinds with effect from 1-4-1992 the exemption granted to M/s. Srinivas Cotton Mills Limited, Bombay under clause (a) of sub Section (1) of Section 17 of the Employees' Provident Funds Act, 1952 vide Notification No. 49 thereof issued by the Central Provident Fund Commissioner published in Part II Section 3 of the Gazette of India dated 26-10-1957.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

MINISTRY OF LABOUR
OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND
COMMISSIONER

New Delhi-110 001, the 1st September 1992

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2592.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have

applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Coimbatore from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s Jaya & Company, 30, P.N.R. Layout, Trichy Road, Coimbatore-18	TN/3543	1-4-91 to 31-3-94	2/4043/92-DLI
2.	M/s Sri Karunampika Engineering Works, Main Road, Avanashi-638654	TN/4664	1-7-88 to 30-6-91	2/4044/92-DLI
3.	M/s Sri Karunambika Engineering Works Motos, Pump Section, Tirupus Road, Avanashi-638654.	TN/4664 'A'	1-7-88 to 30-6-91	2/4045/92-DLI
4.	M/s Sree Meghala Foundry. Trichy Road, Coimbatore-641005.	TN/25185	1-11-90 to 30-10-93	2/4048/92-DLI
5.	M/s. E.L. Forge Ltr. Denkanikotta Road Hosur PDH-635109	TN/16717	1-1-88 to 31-12-90	2/4047/92

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exempt/89/Pt.I/2690.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sr. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Gujarat State Forest Development Corp. Ltd., 'VANGANGA' 78, Alkapuri, Baroda-390005.	GJ/10289	2/1959/DLI/Exempt/89/Pt. I dated 19-1-90	31-5-91	1-6-91 to 31-5-94	2/2504/90-DLI
2.	M/s Insutech Industries, 275, GIDC Ind. Estate, Makarpura, Baroda-390010.	GJ/2893	2/1959/DLI/Exempt/89/Pt. I dated 4-4-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3396/91-DLI
3.	M/s Transpek Industry Ltd., Kalali Road, Atladra, Baroda-18.	GJ/5231	2/1959/DLI/Exempt/89/Pt. I dated 4-4-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3414/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest

of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pl.I/2608.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. West Bengal from the operation of the said scheme for a period of a 3 years.

SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s D.P.S. India Pvt. Ltd., 21-B, Gurusaday Road Calcutta-700019 alongwith its branches covered under the same Code No.	WB/25932	1-4-89 to 31-3-92	2/4128/92-DLI
2.	M/s Shalimar Industries Ltd., 25, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta-700013 alongwith its H.O. and factory at 1, Swarna-moyee Road, Shalimar, Howrah-711103	WB/7265 WB/1719 WB/12503	1-4-88 to 31-3-91	2/4129/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I/2616.—WHEREAS M/s Hindustan Shipyard Ltd., Gandhigram, Vishakhapatnam-530005 (AP/13) have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) herein-after referred to as the said Act:—

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976. (herein after referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I dated 29-1-92 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 31-7-91 to 30-7-94 upto and inclusive of the 30-7-94.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heirs(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM

Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2624.—WHEREAS M/s. Kasturba Hospital, Manipal-576 119 (Karanatak) (code No. KN/5105) have applied for exemption under sub Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act:—

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976, (herein after referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014/266/85-SS.IV dated 20-11-85 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 20-11-88 to 19-11-91 and 20-11-91 to 19-11-94 upto and inclusive of the 19-11-94.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facili-

ties for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2632.—WHEREAS M/s Asea Brown Baveri Ltd., P.B. No. 17, Industrial Area, Faridabad (PN/375), have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976. (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. S-35014/237/82-PF-II (SS.IV), dated 28-6-85 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 4-12-88 to 3-12-91 and 4-12-91 to 28-2-93 upto and inclusive of the 28-2-93.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2640.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said Establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier	Period for exemption further	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Aditya Mills Ltd., Madanganj Kishan Garh, Rajasthan.	R.J./864	S-35014/116/87/S.S. II dated 16-11-87	15-11-90	16-11-90 to 15-11-93	2/1671/87-DLI
2.	M/s Rajasthan State Bridge and Construction Corporation Ltd. in front of Setu Bhawan Jhalmana Dungri, Jaipur.	R.J./2993	2/1959/DLI/Exem/89 Pt. I dated 18-9-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/1137/89-DLI
3.	M/s Gautam Processors Pvt. Ltd. Pur Road, Bhilwara, Rajasthan.	R.J./4710	2/1959/DLI/Exem/Pt. I dated 22-5-90	30-9-91	1-1-91 to 30-9-94	2/2328/89-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where

any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I/2648.—WHEREAS, M/s. Kurnool Dist. Co-op Marketing Society Ltd. Kurnool, P.B. No. 518 (Its Branches covered under the same code No.) AP/17071 have applied for exemption under sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (herein after referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) or Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I, dated 24-6-92 and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 1-4-91 to 31-3-94 upto and inclusive of the 31-3-94.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Region if Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

The 3rd September 1992

No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I/2656.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry	Period for exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s HICO Products Ltd. Pandit Satwalekar Marg, Mumbai, Bombay-16.	MH/1535	S-35014/327/82-PF. II/ SS. II dated 2-9-86	10-12-88 10-12-91	11-12-88 to 10-12-91	2/238/79-DLI

1	2	3	4	5	6	7
2.	M/s Quest International (India) Ltd. (Previously known as Naarden (India) Ltd., 10th Floor, Maker Chamber IV, 222, Backbay Reclamation, P.B. No. 19964, Nariman Point, Bombay-21.	MH/1700	S-35014/123/85-SS. II dated 23-5-85	22-5-88	23-5-88 to 22-5-91	2/221/79-DLI
3.	M/s Mafat Lal Dyes and Chemicals Ltd. Hoechst House, 193, Backbay Reclamation, Nariman Point, P.O. Bombay-21 (alongwith its Branches Covered under the same code No.)	MH/4527	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated Nil	17-12-91	18-12-91 to 17-12-94	2/52/77-DLI
4.	M/s Exemplar Engg. Pvt. Ltd. 70, Laxmi Insurance Bldg., Sir P.M. Road, Bombay-1.	MH/6797	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/ 1550 dated 10-9-91	14-1-92	15-1-92 to 14-1-95	2/777/82-DLI
5.	M/s Polychem Ltd., LU Godkari Marg, Chembur, Bombay-74	MH/9115	S-35014/243/83-PF. II/SS. II dated 23-2-87	23-12-89	24-12-89 to 23-12-92	2/891/83-DLI
6.	M/s Polychem Ltd., 7-J, Tata Road, Churchgate, Bombay-20	MH/5207	S-35014/242/83/PF. II/SS. II dated 10-11-86	23-12-89	24-12-89 to 23-12-92	2/891/83-DLI
7.	M/s Uhde India Ltd., Uhde—House, L.B. Shastri Marg, Vikhroli (West) Bombay-83	MH/14765	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 18-5-90	19-11-91	20-11-91 to 19-11-94	2/588/81-DLI
8.	M/s I.G.E. (India) Ltd. Nirmal, Nariman Point, P.O. Box No. 11652, Bombay-21.	MH/4043	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 29-1-92	19-11-91	20-11-91 to 19-11-94	2/515/82-DLI
9.	M/s The Associated Cement Companies Ltd., Cement House, 121, M.K. Road, Churchgate, Bombay-20.	MH/4095	Do. dated 10-9-91	24-11-91	25-11-91 to 24-11-94	2/658/82-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits

available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India

shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2664.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier	Period for exemption further	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Somasundaram Mills, 10/64, Somasundaram Mill Road, Coimbatore-641009.	TN/53	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/ 12 dated 2-1-91	31-12-90 31-12-92	1-1-90 to 31-12-92	2/3294/90-DLI
2.	M/s Coimbatore Co-op. Printing Works Ltd., No. K-678, P.B. No. 3829, Trichy Road, Coimbatore-18.	TN/562	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/ 8069 dated 7-11-90	31-7-89 31-7-92	1-8-89 to 31-7-92	2/2945/90-DLI
3.	M/s Chandra Textiles Ltd., 'Pioneer House' Post Box No. 1615, Peelamedu, Coimbatore-641004.	EN/932	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/ 1081 dated 7-12-89	25-12-91 25-12-94	26-12-91 to 25-12-94	2/592/81-DLI
4.	M/s Ganga Textiles (P) Ltd., 1168, Avanashi Road, Coimbatore-37.	TN/1112	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/ 1081 dated 7-12-89	24-3-91 24-3-94	25-3-91 to 24-3-94	2/1185/85-DLI

1	2	3	4	5	6	7
5.	M/s Sri Karunambigai Mills Ltd., P.B. No. 2, Somapur-638668.	TN/1703	2/35014/229/86/SS. II dated 29-8-86	27-8-88	28-8-88 to 27-8-91	2/483/80-DLI
6.	M/s The Nilgiris Dist. Co-op. Milk Producers Union Ltd., R. No. J-18, Udahgamandalam-643001	TN/3102	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/ 67 dated 11-1-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/684/82-DLI
7.	M/s The Salem District Co-op. Bank Ltd., P.B. No. 171, Cherry Road, Salem-636001.	TN/4147	S-35014/8/84/PF. II/SS. II dated 24-8-87	16-3-90	17-3-90 to 16-3-93	2/983/83-DLI
8.	M/s Festo Elgi. Pvt. Ltd., P.B. No. 1813, Industrial Estate, Trichy Road, Singanallur, Coimbatore-5.	TN/5479	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/ 1081 dated 7-12-89	29-4-91	30-4-91 to 29-4-94	2/1194/85-DLI
9.	M/s Lakshmi Ring Travellers (CBB) Ltd., U.R. House, IIInd Floor, 1056C, Avanashi Road, Coimbatore.	TN/4147	S-35014 /8/84/PF. II/ SS. II dated 24-8-87	16-3-90	17-3-90 to 16-3-93	2/983/83-DLI
10.	M/s Standard Springs & Sheet Metals P.B. No. 6320, First Floor, Avanashi Road, Coimbatore-37.	TN/12399	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 26-2-90	31-10-90	1-11-90 31-10-93	2/3121/90-DLI
11.	M/s Universal Engineering Industries, S.K. No. 98, Palladam Road, Othakkalmandapam, Coimbatore-641032.	TN/21422	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/ 06 dated 2-1-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3247/90-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central

Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2672.—WHEREAS M/s. Bata India Ltd., Ba'aganj, Patna-800108 (Bihar) (i) M/s. Bata India Ltd., Mokameghat, P.O. Hatidah, 803301 Patna (Code No. BR/805 & BR/806) have applied for exemption under Sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in

continuation of the Government of India in the Ministry of Labour notification No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I dated— and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period with effect from 1-12-91 to 30-11-94 up to and inclusive of the 30-11-94.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt.I/2680.—WHEREAS M/s. Thanjavur Central Coop. Bank Ltd., Thanjavur, 11, West Main Street, Tanjore, Code No. (TN/4127) (including its Branches) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employee's Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (herein after referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Trichy from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-3-89 to 29-2-92.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Wherefor any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

The 5th September 1992

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2760.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act):

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Haryana from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sr. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s Maruti Udyog Ltd., Palam Gurgaon Road Gurgaon-122015. Haryana	PN/3844	1-6-87 to 31-5-90	2/2242/89-DLI
2.	M/s Bharat Starch & Chemicals Ltd., P. Box No. 2, Yamuna Nagar-135001, Haryana	PN/778	1-10-87 to 30-9-90	2/4166/92-DLI
3.	M/s Surya Rubber Industries, G.T. Road, Kundli, Sonepat-131027 Haryana	HR/11763	1-8-90 to 31-7-93	2/4167/92-DLI
4.	M/s Paragon Controls & Switchgears (P) Ltd., 49, Murthal Industrial Area Estate, Sonepat-131027	HR/11384	1-8-90 to 31-7-93	2/4168/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of Premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

NO. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/2768.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Scheme II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Madurai from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's. File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s Sri. J. Sheethalakshmy P. Proprietrix. Sri Jayavelan Transport, 282, Tiruchuli Road, Aruppukkatta-626101	TN/1511-A	1-11-88 to 28-2-89	2/4053/92-DLI
2.	M/s Bright Spinners Pvt. Ltd., Bright Nagar, Thiruppasankundram, Madurai-625005.	TN/10053	1-6-90 to 30-5-93	2/4054/92-DLI
3.	M/s Nallur Milk Producers Co-op. Society Ltd., TYD-59, Nalloor Post, Kanyakumari Distt. Pin-629704	TN/20590	1-2-90 to 31-1-93	2/4057/92-DLI
4.	M/s Chinnadorai Mill, Mudurai Road, Dindigul-624002.	TN/20295	1-4-90 to 31-3-93	2/4058/92-DLI
5.	M/s Sree Vadivambigai Textile Mills Ltd., Sukkanthi, Sivaganga, P.M. Distt. Pin-623560	TN/10686	1-4-90 to 31-3-93	2/4055/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the the nominee(s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp./89/Pt.I/2776.—WHEREAS M/s. Saraswati Industrial Syndicate Ltd., Regd. Office, Yamuna Nagar 135001 District Ambala, Code No. PN/224 have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Faridabad from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-11-86 to 31-10-89 and 1-11-89 to 31-10-92.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM.
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/2784.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier	Period for exemption further	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Excel Graphics (Pvt.) Ltd., Excel Estate, P.O. Box No. 18, Valsad-396001.	GJ/6138	2/1959/DL/Exem/89-Pt. I Dated 4-4-91	31-1-91	1-2-91 to 31-1-94	2/3394/91-DLI
2.	M/s Shree Digvijay Cement Company Ltd., P.O. Digvijay Nagar, Ahmedabad-382470	GJ/3951	S-35014/452-82/PP-II/ (SS. II) Dated 21-4-86	11-2-89	12-2-89 to 11-2-92	2/836/82-DLI

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employers under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employers than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM.
Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/EDLI/Exempt/89/Pt.I/2792.—WHEREAS M/s. Bharat Iron and Brass Foundry, Naraingarh Road, Ambala City 134007, Haryana, Code No. PN/2274 have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of Ind'a in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Faridabad from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-12-88 to 30-11-91.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, involved maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/ Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme;

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

The 4th September 1992

No. 2/1959/DLI/Exempt/89/Pt.I/2688.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I. B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Rajasthan from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Region Rajasthan

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C. File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Shanti Laland Brothers C-19, Industrial Estate, 22, Godam Jaipur.	RJ/2615	1-4-89 to 31-3-92	2/4330/92-DLI
2.	M/s. Surendra Spinning Mills Industrial Area, Bhilwara Jaipur.	RJ/2782	1-10-89 to 31-9-92	2/4331/92-DLI
3.	M/s. B.T. Suitings Private Ltd., Gandhi Nagar, Bhilwara Jaipur.	RJ/5025	1-4-89 to 31-3-92	2/4332/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effects adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

New Delhi-110 001, the 2nd July 1992

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2110.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sr. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted, extended.	Date of expiry earlier exemption	Period for further exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	Motor Industries Co. Ltd., Hasur Road, Adugodi Bangalore-30	KN/120	S-35014/95/85/SS-IV dated 27-2-88	17-5-91	18-5-91 to 17-5-94	2/191/88-DLI
2.	M/s Prakash Beedies Ltd. Kodialbail Mangalore	KN/2015	S-35014/38/87-SS-II dated 1-5-87	30-4-90	1-5-90 to 30-4-93	2/1553/86-DLI
3.	M/s Maharashtra Apex Corporation, P.B. No. 38 Manipal-576119(KN)	KN/4470	2/1959/DLI/Exemp/89-Pt. I dated 21-2-90	20-8-91	21-8-91 to 20-8-94	2/1247/85-DLI
4.	M/s Lombard Memorial Hospital, Udupi-576101	KN/4759	S-35014/98/87-SS-II dated 14-9-87	13-9-90	14-9-90 to 13-9-93	2/1552/86-DLI
5.	M/s Canara Steel Ltd. Baikampady, Mangalore-575011	KN/6150	S-35014/125/87-SS-II dated 13-11-87	12-11-90	13-11-90 to 12-11-93	2/1680/87-DLI
6.	M/s Ananda Tobacco Products., N.G. Road., Kadiabali, Mangalore-575003	KN/6638	S-35014/57/87-SS-II dated 25-5-87	24-5-90	25-5-90 to 24-5-93	2/1557/86-DLI
7.	M/s Industrial Credit and Development Syndicate Ltd., Ltd., Manipal	KN/6966	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. II dated 21-2-90	20-8-91	21-8-91 to 20-8-94	2/1208/85-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heirs(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exempt/89/Pt.I/2704.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted.	Date of expiry earlier	Period for exemption further	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s Utturbanga Kshetriya Gramin Bank, Bangchatra Road, P.O. & Dist. Cooch Behar, West Bengal (including its 111 Branches covered under the same code No.)	WB/16506	2/1959/DLI/Exempt/89-Pt. I dated 21-3-90	5-3-90	6-3-90 to 5-3-93	2/10068/4-DLI
2.	M/s Shaw Wallace & Co. Ltd., Hide Road, Kidderpore, Calcutta-700043	WB/1105	S-35014/57/84-FPG(SS. II) dated 15-1-88	10-8-90	11-8-90 to 10-8-93	2/537/81-DLI
3.	M/s Hindustan Lever Ltd. 63, Garden, Reech Road, Calcutta-700024 (including its branches covered under these code Nos.)	WB/1927 WB/1198 WB/682	2/1959/DLI/Exempt/89-Pt. I dated 11-7-91	25-12-91	26-12-91 to 25-12-94	2/588/82-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the em-

ployees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959 DLI Exempt '89/Pt.I/2712.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the condition specified in Schedule II annexed hereto, I B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Rajasthan from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

REGION RAJASTHAN

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Earnest Gases Pvt. Ltd. A-204/205 M.I.A Udaipur (Rajasthan)	RJ/2906	1-12-88 to 30-11-91	2/3491/91-DLI
2.	M/s. Amber Grinding Mills 3962, Kundhidhar Meruway Johari Bazar Jaipur.	RJ/4490	1-10-89 to 30-9-92	2/3943/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the

nominee(s) legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. 1/2720.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the employees' provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS I. B.N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in employment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I. B.N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Gujarat from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	Chirag & Co. 20, Vithal Udyognagar, Vallabh Vidyanagar	GJ/4565-E	1-5-89 to 30-4-92	2/4065/92-DLI
2.	M/s Unique Industries Piplay-387355 Via-Nadiad.	GJ/4541	1-11-89 to 31-10-92	2/4066/92-DLI
3.	M/s Jayendra Kumar Hiralal Kharawala Pvt. Ltd. Plot No. 10, Phase 2, GFDC Vatva, Ahmedabad.	GJ/15803	1-10-88 to 30-9-91	2/4067/92-DLI
4.	M/s Ajay Chem. Industries Plot No. 145, GIDC, Vapi, Distt. Valsad.	GJ/9727	1-10-91 to 30-9-93	2/4068/92-DLI
5.	M/s Jayshu Fabries Hiralal Colony A.K. Road, Surat.	GJ/4172	1-5-91 to 30-4-94	2/4069/92-DLI
6.	M/s Hiralal Industries Hiralal Colony, A.K. Road, Surat.	GJ/4197	1-5-91 to 30-4-94	2/4070/92-DLI
7.	M/s Mehta Udyog C-1 B/2, GIDC Estate, Modern Bakery Road, Naroda, Ahmedabad-382330	GJ/14755	1-12-89 to 30-11-92	2/4071/92-DLI
8.	M/s Urvi Twisting & Conning Works Hiralal Colony, A.K. Road, Surat.	GJ/2678-A	1-5-91 to 30-4-94	2/4072/92-DLI
9.	M/s Indotax Machinery Works 351/2, GIDC, Odhar, Ahmedabad.	GJ/11268	1-1-89 to 31-12-91	2/4073/92-DLI
10.	M/s Top-O-Plast 292, GIDC Estate, Makarpura, Baroda-10	GJ/7033	1-5-90 to 30-4-93	2/4074/92-DLI
11.	M/s Aakar Plastic Industries 292, GIDC Estate, Makarpura, Baroda-390010.	GJ/16052	1-5-90 to 30-4-93	2/4075/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exempt 89/Pt.1/2728.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the condition specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Bombay from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s Rubby Coach Builders Ltd., 86/92, Andheri Kurla Road, Marol Naka, Bombay-59	MH/736	1-2-89 to 31-1-92	2/4194/92-DLI
2.	M/s Ajanta Tiles & Cement Industries (Pvt.) Ltd., Industrial area Near Railway Stations Aurangabad-431005	MH/13319	1-10-89 to 30-9-92	2/4195/92-DLI
3.	M/s Bomby Chamber of Commerce & Industry Mackinnon MaKenzie Bldg. Ballard Estate, P.B. No 473, Bombay-1.	MH/14707	1-2-91 to 31-1-94	2/4196/92-DLI

1	2	3	4	5
4.	M/s Oriental Aromatics, Sion, Trombay Road., Chembur Govandi, Bombay-88	MH 17403	1-2-90 to 31-1-93	2/4197/92-DLI
5.	M/s Indian Commercial Co. Ltd., 7-J. Tata Road, Oriental House, Bombay-400020 (included branches covered under this Code No.)	MH/4304	1-2-90 to 31-1-93	2/4198/92-DLI
6.	M/s Luka Labs Ltd., 77, Nehru Road, Vile Parle (E), Bombay-99 (included branches covered under this code No.)	MH/4813	1-11-89 to 31-10-92	2/4199/92-DLI
7.	M/s Bonafide Exporters, Patwa Chambers Opposite Masjid Station, Dana Bunder, , Bombay-400009	MH/23359	1-2-91 to 31-1-94	2/4200-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/2736.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Baroda from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s Sulaimani Co-op. Banking Society Ltd. RASULKHAN Pathan Road, Mogalwada. Vadodara-17	GJ/11952	1-1-92 to 31-12-94	2/4115/92-DL
2.	M/s Baroda Ferro Alloys and Industries Ltd., 429 Paradises, opp. College Sayajigunj Baroda-390005 (included branches covered under this Code No.)	GJ/20175	1-1-92 to 31-12-94	2/4116/92-DLI
3.	M/s Jeevan Products G.P. Industrial Estate P.O. CHHANI-391740 (included branches covered under this Code No.)	GJ/5277	1-10-91 to 30-9-94	2/4117/92-DLI
4.	M/s Jaya Shree Insulators Meghasar (Halol) Panch-Mahal (Gujrat) (included branches covered under this Code No.)	GJ/4072-A	1-1-92 to 31-12-94	2/4118/92-DLI
5.	M/s Satellite Auto Industries (Pvt.) Ltd., A-I, 435, G.I.D.C. Industrial Estate, Makarpura- Baroda-3900310	GJ/225	1-5-90 to 30-4-93	2/4119/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Excmpl/89/Pt.I/2744.—WHEREAS M/s. Amrutanjan Ltd., Mylapore, Madras-4 (Code No. TN/853) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) :

AND WHEREAS, I B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment is, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule I annexed hereto, I B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Madras from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-11-86 to 31-10-89 & 1-11-89 to 31-10-92.

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme, is approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium, the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM.

Central Provident Fund Commissioner.

No. 2/1959/DLI/Excmpl/89/Pt.I/2752.—WHEREAS THE employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sr. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Batanagar Employees' Coop. Society Ltd., Batanagar, Distt., 24, Parganas (West-Bengal).	WB/13144	2/1959/DLI/Exem/39 Pt. dated 10-1-90.	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94	2/2378/90 DLI
2.	M/s. Chatterjee Engineering Co. Sree Ganesh Business Centre, 216, A.J.C. Bose Road, Flat-2A, Calcutta-700017.	WB/15760	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt/ 1454 dated 3-9-91.	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94	2/3761/91-DLI
3.	M/s. Kanchan Metals Pvt. Ltd., 38, Strand Road, Calcutta-700001. (alongwith its branch at Madras under the same code No.)	WB/25128	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt. dated 17-5-91	28-2-92	29-2-92 to 28-2-95	2/3551/91 DLI

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner.

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay-400020, the 28th August, 1992

CORRIGENDA

No. UT/DBDM/484A/SPD-185/92-93—The following corrections in our notification No. UT/DBD&M/1144 A/SPD-185/91-92 dated 8th June, 1992 published on page Nos. 2488 to 2493 in the Gazette of India (Part III Section 4) dated July 4, 1992.

Capital Growth Unit Scheme—1992 (Mastergain—92)

S. No.	Page No.	Col. No.	Clause/Subclause	Corrections
1.	2861	2	7(2)	In the 9th line the word "from" should be corrected as "form"
2.	2861	2	8	In the 6th line the word "rust" should be corrected as "trust"
3.	2862	1	10(f)	In the 2nd line, the word "he" should be corrected by "the"
4.	2862	1	10(f)	In the 2nd line, the word "unitholderor" should be corrected as unitholder or"
5.	2862	2	12(ii)	In the 1st line, the word "eriod" should be corrected as "period"
6.	2863	1	15(4)	In the 1st column, in the 4th line, the word "accurence" should be corrected as "occurrence"
7.	2863	1	17	In the 17th line, the word "If" should be read as "II"
8.	2863	1	18	In the 3rd line, the word "Such" should be replaced by "Each"
9.	2489	1	IV-4(ii)	In the 12th line, the word "unitts" should be corrected as "units"
10.	2863	2	21-2(a)	In the 6th line, the word "issued" should be corrected as "issue"
11.	2863	2	22	In the 2nd line, the word "provision" should be corrected as "provisions"

S.K. DASGUPTA
Deputy General Manager
(Business Devt. & Mktg.)

